● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 54, पृष्ठ : 08, सीधी, शुक्रवार , 28 मार्च 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

चुनौतियों को स्वीकारने से विकास होता है : सिंधिया 5

डि कॉक को मिल गया प्लेयर आफ द मैच 6

मध्यप्रदेश को बनाएंगे टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब : डॉ. यादव

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर रहा नेतृत्व

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति के अनेक रहस्य सुलझाने की क्षमता विज्ञान में हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अनेक क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। फार्मिंग से लेकर फायनेंस तक मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर मेडिसिन तक और एजुकेशन से लेकर कम्यूनिकेशन तक प्रत्येक क्षेत्र का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत एक दशक में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है। राष्ट्र में एक नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की विजनरी नीति का ही परिणाम है कि भारत डिफेंस और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में गलोबल लीडर बन रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही स्पेस पॉलिसी बनाई जाएगी। प्रदेश में इसरो के केंद्र की

शुरूआत के लिए भी मंथन प्रारंभ किया गया है। हाल ही में जीआईएस के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित 4 नीतियों को लागू करने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को उज्जैन में हो रहे राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन/ विज्ञान उत्सव और चालीसवें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल रूप से शुभारंभ करते हुए यह बात कही। यह सम्मेलन कालिदास अकादमी परिसर उज्जैन में हो रहा है। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री गौतम टेटवाल भी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रदेश को टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। हाल ही में इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट अर्थात स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग करते हुए इतिहास रच दिया है। इसके लिए इसरो की टीम बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। प्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है। मध्यप्रदेश में ड्रोन के माध्यम से राजस्व के क्षेत्र में भी नक्शे बनाने की शुरूआत की गई है। रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण का पायलेट प्रोजेक्ट शुरू हुआ। प्रदेश के अन्य शहरों में भी जमीन,भूखण्ड और बस्तियों का डिजिटल नक्शा बनाने की पहल हुई है। इससे संपत्ति के स्वामित्व के रिकार्ड्स रखना आसान होगा। अनेक क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग कार्यों को आसान बना रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति भी विज्ञान आधारित है। हम अनेक शुभ कार्य नवग्रह पूजन से प्रारंभ करते हैं।

विक्रम संवत 2082 आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के काल से लेकर अब तक उज्जैन के इतिहास,कला, संस्कृति और अध्यात्म के साथ ही विज्ञान के केंद्र होने का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी उज्जैन को काल गणना के केंद्र के रूप में जानते हैं। इस संबंध में भी निरंतर अनुसंधान हो रहा है। हम नूतन का स्वागत करते हुए पुरातन परम्पराओं को भी साथ रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की थीम विकास की बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार एक साथ प्रासंगिक है।

हमारा उद्देश्य किसानों को लाभान्वित करना है : शिवराज

मंत्री शिवराज ने किसानों के लिए राज्य सरकारों से की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तमाम राज्य सरकारों से किसानों से एक खास अपील की है। शिवराज ने कहा कि, प्रदेश सरकार किसानों की कोई भी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे नहीं खरीदे। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि फसलों का खरीद मूल्य एमएसपी से नीचे न जाए और इन खरीद में राज्य सरकारों से भी इसी तरह के सहयोग की अपेक्षा है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कहा, केंद्र ने राज्य सरकारों को तूर, मसूर और उड़द दाल खरीदने की अनुमति दी है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे राज्यों में राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड

(एनसीसीएफ) के माध्यम से तूर दाल की खरीद का काम चल रहा है। चना, सरसों और मसूर दाल की खरीद पर बोलते हुए चौहान ने जोर देकर कहा कि इनकी खरीद प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा योजना) के माध्यम से की जाएगी।

कृषि मंत्री ने कहा, केंद्र सरकार के कृषि मंत्रालय ने राज्य सरकारों को तूर, मसूर और उड़द दाल खरीदने की अनुमति दे दी है। तूर दाल की खरीद का काम चल रहा है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में एनएएफईडी और एनसीसीएफ के माध्यम से एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) पर खरीद जारी है। मेरी राज्यों से अपील करता हूं कि, वे एमएसपी पर खरीद की इस योजना को ठीक से लागू करें। पीएम आशा योजना के तहत चना, सरसों और मसूर की खरीद भी की जाएगी। हमने सरसों की खरीद के लिए अलग-अलग राज्यों को मंजूरी दी है। हमने तमिलनाडु में खोपरा की खरीद के लिए भी मंजूरी दी हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए नेफेड और एनसीसीएफ पोर्टल का उपयोग सुनिश्चित किया है। केंद्र सरकार की ओर से मैं सभी राज्य सरकारों से अपील करता हूं कि वे सुनिश्चित करें कि कोई भी खरीद एमएसपी मूल्यों से नीचे न हो। वहीं, राज्य सरकारों को इन खरीद में प्रभावी सहयोग करना चाहिए।

अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस खारिज

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लाए गए विशेषाधिकार हनन के नोटिस को सभापति जगदीप धनखड़ ने खारिज कर दिया। सभापति ने कहा कि गृह मंत्री ने कोई उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने अपने बयान को प्रमाणित करने के लिए 1948 की एक सरकारी प्रेस विज्ञप्ति का हवाला दिया था। इसमें कहा गया था कि एक कांग्रेस नेता प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के प्रबंधन का हिस्सा थे।

मंगलवार को आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस के जवाब के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि कांग्रेस के

शासनकाल में पीएम राहत कोष बनाया गया था और इस सरकार के कार्यकाल के दौरान, पीएम केयर फंड शुरू किया गया। कांग्रेस के शासनकाल में इस फंड पर सिर्फ एक परिवार का नियंत्रण था।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी पर आरोप लगाने के लिए शाह के खिलाफ नोटिस पेश किया। यह विशेषाधिकार हनन का नोटिस राज्य सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 188 के तहत दिया गया है। नोटिस में कहा गया कि चर्चा के दौरान भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री राहत कोष (एनपीएमआरएफ) के कामकाज को लेकर आरोप लगाया। कांग्रेस ने गृह मंत्री पर सोनिया गांधी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया।

इस पर सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि अमित शाह ने आपदा प्रबंधन विधेयक 2024 पर बहस का जवाब देते हुए कुछ टिप्पणियां करने के बाद अपने बयान को प्रमाणित किया था।

राणा सांगा की वीरता पर नहीं उठाया कोई सवाल : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमजोर से कमजोर व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही है। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक-जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है।

फिर संबंध सुधारने का प्रयास कर रहे भारत-चीन

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि भारत और चीन 2020 में गलवां घाटी में झड़पों से प्रभावित हुए संबंधों को फिर से सुधारने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि तनावपूर्ण संबंध किसी के हित में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी दोनों देशों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें विवाद नहीं बनना चाहिए। जयशंकर ने यह बात थिंक टैंक एशिया सोसाइटी की ओर से आयोजित एक संवाद सत्र में कही।

गलवां घाटी में झड़पों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ वह वास्तव

में संबंधों के लिए बहुत दर्दनाक घटना थी। उन्होंने कहा, यह केवल खूनखराबा नहीं था, बल्कि यह लिखित समझौतों की अनदेखी भी थी। जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, उनका गंभीर और बड़ा उल्लंघन हुआ। संवाद सत्र का संचालन एशिया सोसायटी की अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और दक्षिण कोरिया की पूर्व विदेश मंत्री क्यांग-व्हा कांग ने किया। जयशंकर ने आगे कहा, हम अभी भी इस मुद्दे के कुछ पहलुओं से निपट रहे हैं। यह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले साल अक्तूबर से भारत-चीन संबंधों में सुधार हुआ है। विदेश मंत्री ने कहा, हम इसके विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मैं अपनी चीनी समकक्ष से कई बार मिला हूं और मेरे कई अन्य वरिष्ठ सहयोगियों ने भी बातचीत की है। हम हर कदम पर यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि 2020 की घटनाओं से दोनों देशों के संबंधों को हुए नुकसान को कितना कम किया जा सकता है। हम ईमानदारी से मानते हैं कि संबंधों को दोबारा मजबूत किया जा सकता है, जो दोनों देशों के हित में है।

दुनिया के 10 सबसे अमीर लोगों में भारत से कोई नहीं

नई दिल्ली। पिछले साल की तुलना में कर्ज बढ़ने के कारण मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इसके कारण वे दुनिया के शीर्ष 10 सबसे अमीर लोगों की सूची से बाहर हो गए हैं। हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2025 में यह जानकारी दी गई है। इस लिस्ट के अनुसार टेस्ला के सीईओ एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। उनकी कुल संपत्ति में 82% या 189 बिलियन डॉलर की आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है और यह 420 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई। सूची में दूसरे नंबर पर अमेजन के संस्थापक जेफ

कांग्रेस विधायक द्वारा साधु-संतों की तुलना सांड से करने पर बवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के विधायक द्वारा साधु संतों की तुलना सांड से करने पर सियासी जंग छिड़ गई है। जहां प्रदेश भर के साधु संत इसका विरोध कर रहे हैं, वहीं भाजपा के नेता कांग्रेस को लगातार घेर रहे हैं। बवाल मचने के बाद विधायक डॉ राजेंद्र सिंह ने अपने बयान पर सफाई दी है। सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण मंत्री मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने हमला बोलते हुए कांग्रेस नेतृत्व से विधायक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में मचे बवाल के बाद कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह ने सफाई दी है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि मेरी बात की लोगों ने अलग-अलग व्याख्या की है। साधु संतों महामंडलेश्वर का काम किसी पार्टी का काम करना नही है। साधु संतों को किसी दल से सहानुभूति हो सकती है, लेकिन प्रचार करना ठीक नहीं है। हम लोग सभी धर्म को मानने वाले लोग हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के पूर्व मंत्री व अमरपाटन से कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने साधु-संतों को लेकर विवादित बयान दिया था।

लोकतांत्रिक मानदंडों के हिसाब से बर्ताव करें, राहुल को साथी सांसद की सलाह

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। बीते दिन लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने राहुल को नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी। इसके बाद उन्होंने सदन से बाहर आकर कहा था कि मैंने तो कुछ भी नहीं किया। मैं चुपचाप बैठा हुआ था। मुझे तो बोलने की अनुमति ही नहीं दी जाती। इसके लेकर भाजपा सांसदों ने राहुल को कई हिदायतें दी थीं। अब विपक्षी गठबंधन इंडिया में कांग्रेस की साथी पार्टी माकपा ने सांसद ने राहुल को

अहम सलाह दी है। माकपा सांसद पी. संतोष कुमार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर कहा, अगर आप मुझसे व्यक्तिगत रूप से पूछें, तो यह मेरी पार्टी की राय नहीं है। बात यह है कि राहुल गांधी को अधिक ईमानदारी से और लोकतांत्रिक मानदंडों के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। हम उनसे कुछ और की उम्मीद कर रहे हैं। वे विपक्ष के नेता हैं, इसलिए उन्हें अधिक समझदार होना चाहिए।

इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने की कथित अनुमति न देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की आलोचना की थी। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक समय करार दिया था।

एएनआई से बात करते हुए संजय राउत ने कहा, राहुल गांधी लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष हैं। अगर ऐसे नेता को स्पीकर संसद के अंदर बोलने की अनुमति नहीं देते हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक समय नहीं तो और क्या है।

बीजद विधायकों ने ओडिशा विधानसभा में छिड़का गंगाजल

कहा- पुलिस के प्रवेश से प्रदूषित हो गया है सदन

भुवनेश्वर। ओडिशा विधानसभा में गुरुवार को विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) के विधायकों ने गंगाजल छिड़का। विधायकों ने कहा कि पुलिसकर्मियों के प्रवेश से सदन प्रदूषित हो गया है। इस दौरान विधायकों ने सरकार की शिथिलता पर नाराजगी जाहिर की। इसके अलावा स्पीकर ने विपक्षी विधायकों के कृत्य की निंदा की। ओडिशा में मुख्य विपक्षी पार्टी बीजद महिलाओं की सुरक्षा और एसटी-एससी व ओबीसी लोगों न्याय दिलाने में राज्य सरकार की कथित विफलता का विरोध कर रही है। वहीं कांग्रेस पिछले नौ महीने में महिलाओं के खिलाफ हुई हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए समिति के गठन की मांग कर रही है। इस हंगामे के बीच मंगलवार को कांग्रेस विधायकों ने वेल में प्रवेश किया तो पुलिस ने उनको बाहर निकाला था।

चारधाम यात्रा की परंपराओं को मानना होगा : धामी

देहरादून। राज्य में लागू समान नागरिक संहिता के तहत लिव इन रिलेशनशिप के विरोध पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उनकी सरकार इस पर पीछे नहीं हटेगी। अलबत्ता जो भी सुझाव आएंगे, उनका स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री नई दिल्ली में एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2022 के चुनाव में हमने प्रदेश की जनता को वचन दिया था कि भाजपा की सरकार बनेगी तो राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू करेंगे। हमने अपना वचन पूरा किया। लिव इन रिलेशनशिप के विरोध पर उन्होंने कहा कि बेशक यह हमारी संस्कृति का हिस्सा नहीं है। लेकिन उच्चतम न्यायालय में यह विषय कई बार आया है।

सपा सांसद के आवास पर हमले के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन के आवास पर हुए हमले के मुद्दे पर संसद में भी आज खूब हंगामा हुआ। इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट हो गया। दरअसल विपक्ष सपा सांसद के आवास पर हमले को लेकर चर्चा की मांग कर रहा था, लेकिन जब राज्यसभा सभापति ने इस मुद्दे पर चर्चा की मंजूरी नहीं दी तो विपक्षी नेताओं ने इस पर नाराजगी जताई और सदन से वॉकआउट किया। सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने हाल ही में संसद में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद बुधवार को करणी सेना के सदस्यों ने आगरा स्थित रामजी लाल सुमन के आवास पर हमला किया। सपा सांसद रामजी लाल सुमन और जावेद अली ने इस मुद्दे को लेकर राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया और इस पर चर्चा की मांग की। हालांकि शून्यकाल के दौरान राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने प्रस्ताव पर चर्चा की मंजूरी नहीं दी। राज्यसभा सभापति ने ये जरूर कहा कि शून्य काल के दौरान सदस्य इस मुद्दे को उठा सकते हैं। इससे सपा के सदस्य नाराज हो गए और विरोधस्वरूप में वेल में आ गए। प्रदर्शन के बीच सदन में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बोलने की कोशिश की, लेकिन उन्हें भी बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके बाद भाजपा सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और राणा सांगा जिंदाबाद के नारे लगाए।

कठुआ में सुरक्षाबलों और आतंवादियों के बीच मुठभेड़, चार जवान घायल

जम्मू। कठुआ के जुथाना इलाके में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। मुठभेड़ के दौरान एक अधिकारी समेत 4 जवान घायल हो गए। विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षाबल संदिग्ध स्थान पर पहुंचे, उन पर भारी गोलीबारी शुरू हो गई, जिसके बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो गई।

इस मुठभेड़ में एसडीपीओ बॉर्डर डीवाईएसपी धीरज कटोच समेत तीन जवान घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उन्हें इलाज के

लिए मेडिकल सुविधा में ले जाया गया है। अभी भी रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं।

बीते दिन हीरानगर के सन्याल गांव के पास जंगलों में आतंकियों की तलाश में घेराबंदी की। डीजीपी नलिन प्रभात ऑपरेशन के दौरान लगातार मोर्चे पर डटे रहे। बुधवार को डीजीपी ने पुलिस अफसरों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर आतंकवादियों पर नकेल कसने की रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, आतंकियों को ढूंढो और उनका खात्मा करो।

अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सांबा और कठुआ जिले के थानों के प्रभारियों के साथ पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने हीरानगर पुलिस थाने में बुधवार शाम खास बैठक की। इसमें लखनपुर से लेकर विजयपुर तक के थाना प्रभारियों, अफसरों के साथ ही एसओजी के अफसर शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक दो घंटे चली बैठक में उन्होंने पुलिस बल का हौसला बढ़ाया। उन्होंने रविवार शाम आतंकियों की फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब देने वाली एसओजी टीम की सराहना की। हालांकि और कैसे बेहतर किया जा सकता था, इस पर उन्होंने अफसरों को टिप्स दिए।

ऑपरेशन सन्याल शुरू होने के बाद से ही पुलिस महानिदेशक इस अभियान में खुद शामिल रहे हैं। वे लगातार हीरानगर में ऑपरेशन के दौरान मौजूद रहे। पुलिस के अन्य आला अफसर भी सर्च ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। आने वाले दिनों में अन्य क्षेत्रों में भी तलाशी अभियान बढ़ाए जाने की संभावना है।

पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों से कहा कि घुसपैठ के लिहाज से संवेदनशील रास्तों पर कड़ाई से नजर रखी जाए। आतंकियों के मददगारों पर शिकंजा कसने के साथ ही सख्त कार्रवाई की जाए।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। । पुलिस के एक अफसर के मुताबिक सुरक्षाबलों ने बुधवार को बारामुला के नंबलां वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया।

लालटेन व घड़ा लेकर परिषद की बैठक में पहुंचे पार्षद, महापौर को घेरा

सेन्टर के भुगतान का उठा मुद्दा, अध्यक्ष ने कहा क्या महापौर को एजेंडा काटने का है अधिकार, हंगामे को लेकर दो बार स्थगित हुई बैठक

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली की परिषद बैठक आज दिन गुरूवार को परिषद अध्यक्ष देवेश पाण्डेय की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। शुरूआत में ही पार्षदों ने पिछली परिषद को शून्य क्यों किया गया? इस बात को लेकर महापौर को घेरने लगे। जहां लालटेन व घड़ा लेकर कॉंग्रेस के पार्षद विरोध जताया और सिविंग सेन्टर के भुगतान का मुद्दा उछाला गया। अध्यक्ष ने कहा क्या महापौर को ऐजंडा काटने का अधिकार है। काफी हंगामे के बाद दो बार परिषद की बैठक स्थगित की गई।

परिषद की बैठक राष्ट्रगान से प्रारंभ की गई। जहां राष्ट्रगान के बाद प्रश्नोत्तरी प्रारंभ होने के पूर्व ही पार्षद परमेश्वर पटेल ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर नगर निगम गेट पर ताला बन्द करना पड़ा। कोई सुनवाई नही हो रही है। वार्ड में समस्याएं बनी हुई हैं और एमआईसी मेम्बर न्यायालय जा रहे हैं। महापौर झूठ बोल रही हैं। कहा से विकास होगा। वही शेखर सिंह ने कहा कि कागजों की जुगलबन्दी में नगर निगम उलझा हुआ है। परिषद की बैठक होने नही पा रही है। तीन-तीन

महीने बीत रहे हैं। जनता हमे चुनी है, जवाब तो जनता को हमे देना पड़ रहा है। वही पार्षद भारतेन्दु पाण्डेय ने परिषद की बैठक में कहा कि छः माह बीत गया है। सिविंग सेन्टर का भुगतान नही हो पा रहा है। पिछली परिषद बैठक क्यों शून्य की गई। इसका जवाब महापौर और एमआईसी दे। जबतक एमआईसी या महापौर जवाब नही देंगी, तब तक परिषद नही चलेगी। वही पार्षद सीमा जायसवाल ने महापौर को घेरते हुये कहा कि पहले महापौर हम सभी पार्षदों को संतुष्ट करे कि पिछली परिषद को स्थगित कराने के लिए षड्यंत्र क्यों रचा। जब फाईल 18 फरवरी को आयुक्त को दी गई तो फिर महापौर 13 फरवरी की बात क्यों कर रही हैं। परिषद की बैठक को रोकने का प्रयास महापौर कर रही थी। आखिर क्यों कर रही थी या फिर सिंगरौली का विकास को रोकने का प्रयास कर रही थी। आयुक्त के जवाब में महापौर को कटघरें में खड़ा कर दिया। आयुक्त ने जवाब में कहा कि परिषद के लिए 13 एजेंडे आये थे। जिसमें से महापौर ने 3 को काट दिया था। जबकि उनका अधिकार नही है।

महापौर को अध्यक्ष ने कहा ठेकेदारी की फाईल नही, एजेंडा है

पहली मर्तबा परिषद अध्यक्ष देवेश पाण्डेय भी महापौर के रवैये से खफा नजर आयें। अध्यक्ष ने भी महापौर को इस कदर घेरा कि महापौर जवाब देने हिचकिचाने लगी। अध्यक्ष देवेश पाण्डेय ने महापौर रानी अग्रवाल से कहा कि शहर के विकास के लिए एजेंडा बनाया जाता है। यह कोई ठेकेदार की फाईल नही है कि अपने मन से आप काट दें। आप को एजेंडा काटने का अधिकार नही है। न ही संसोधन करने का अधिकार है। आयुक्त एजेंडा तैयार करता है और परिषद अध्यक्ष तिथि नियत करता है। यही प्रावधान है। लेकिन महापौर को परिषद बैठक तय करने का अधिकार नही है। जब महापौर 13 फरवरी को फाईल दी हैं तो परिषद को 18 फरवरी को कैसे मिल रही है। इसी बात को लेकर महापौर को घेरा गया। जहां अध्यक्ष ने कहा ऐसी विसंगति क्यों आ रही है। ऐसे में तो शहर का विकास रूक जाएगा।

कौन है आकांक्षा जो पार्षदों को देती है गाली

परिषद बैठक में पार्षद सीमा जायसवाल ने कहा कि महापौर के पास एक लड़की आकांक्षा रहती है। उसका पेमेंट नगर निगम से होता है। आखिर वह कौन है, जिसके लिए नगर निगम पेमेंट कर रहा है। यह लड़की पार्षदों को अभद्र गाली देती है। सीमा जायसवाल ने कहा कि अगर महापौर के मर्जी से निगम और परिषद चलेगा तो मैं नही चलने दूंगी। यही वजह रही कि आज नगर निगम परिषद बैठक में हंगामे के चलते दो बार परिषद अध्यक्ष को बैठक को स्थगित करना पड़ा। वही लंच के लिए भोजन व्यवस्था में काफी हिलाहवाली की गई थी। लगभग डेढ़ से दो घंटे लेट लतीफी के चलते पार्षदों में काफी आक्रोश देखा गया।

कॉंग्रेस ने दिखाया लालटेन व घड़ा

परिषद की बैठक में पार्षद अखिलेश सिंह ने परिषद की बैठक शुरू होते ही अपने सवाल अध्यक्ष के समक्ष रखा। कहा कि एजेंडे में हमारे वार्ड में बिजली व पानी की समस्या को नही रखा गया है। जब तक मेरे सवालों का जवाब नही मिलेगा, तब तक परिषद की बैठक नही चलने दूंगा। अपना विरोध जताते हुये परिषद शुरूआत के दौरान ही अखिलेश सिंह लालटेन लेकर पहुंचे। जहां अध्यक्ष सहित सभी को लालटेन दिखाया और कहा कि नगर निगम में अंधेरगर्दी चल रही है। महापौर की मनमानी है। एक्ट अधिनियम की जानकारी नही हैं। वही परिषद में ही घड़ा लेकर कॉंग्रेस के कई पार्षद पहुंचे और जमीन पर बैठ कर विरोध प्रदर्शन करने लगे। जहां महापौर के रवैया से खफा रहे। कहा कि परिषद को रोकने का प्रयास किया गया है। जो घोर निंदनीय है। सिंगरौली के विकास में महापौर बाधा बन रही हैं।

छोटे भाई की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

चितरंगी के बेलहवा गांव में जमीन विवाद में हुई थी हत्या

सिंगरौली। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेलहवा में बीते बुधवार को सगे भाई ने अपने छोटे भाई को धारदार हथियार से हत्या कर दिया था। जहां चितरंगी पुलिस ने आज दिन गुरूवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चितरंगी थाना प्रभारी सुदेश तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि बीते बुधवार को ग्राम बेलहवा में बद्रीनाथ बैगा पिता रोशन बैगा उम्र 45 वर्ष की हत्या सगा भाई रामप्रसाद बैगा पिता रोशन बैगा निवासी बेलहवा ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस को जानकारी दी गई कि वन विभाग के द्वारा आरोपी रामप्रसाद बैगा, छोटेलाल बैगा और मृतक बद्रीनाथ बैगा को जमीन दी गई थी। लेकिन आरोपी रामप्रसाद बैगा द्वारा जबरन सभी भाईयों के फसल को जबरन काट लिया गया। यही वजह थी कि आरोपी और मृतक का आपस में विवाद होने लगा। बीते बुधवार को मृतक और आरोपी के बीच विवाद बड़ा रूप ले लिया और आरोपी ने गुस्से में आकर मृतक बद्रीनाथ बैगा को धारदार हसिया से सिर एवं छाती पर कई वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी जंगल में फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जहां मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी के तलाश में जंगल में खोजबीन करने लगी। लेकिन आरोपी पुलिस को चकमा देकर जंगल के रास्ते से निकल कर वाहन का इंतजार कर वहां से भागने के फिराक में था। लेकिन पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जल संरचनाओं के उन्नयन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराए जायेंगे : कलेक्टर

सिंगरौली

जल संरचनाओं के उन्नयन का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर कराए जायेंगे। साथ ही आगामी 30 मार्च से 30 जून तक अनवरत चलने वाले जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जन भागीदारी से जल संरक्षण और संवर्धन को सुनिश्चित करना है। उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान कलेक्टर के द्वारा जल गंगा अभियान के तैयारियों की समीक्षा करते हुये विभागीय अधिकारियों को दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि अभियान के दौरान समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से नवीन जन संरचनाओं के निर्माण, भू-जल संवर्धन पूर्व से मौजूद जल संरचनाओं की साफ -सफाई एवं जीर्णोद्धार तथा मरम्मत किया जाना है। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे जल स्त्रोत एवं संरचना जिन्हे जीर्णोद्धार करने की आवश्यकता है। ऐसी संरचनाओं को चिन्हित कर लिया जायें तथा इसकी जानकारी से अवगत कराएं। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान कर शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा 30 मार्च को किया जायेगा।

अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण के लिए आदेश जारी

सिंगरौली। जिले में अनुपयोगी खुले नलकूपों एवं बोरवेल में छोटे बच्चों के गिरने संबंधी दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(1) के अंतर्गत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनुपयोगी एवं खुले बोरवेल तथा ट्यूबवेल में छोटे बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने व नियंत्रण की कार्यवाही के लिए सम्पूर्ण सिंगरौली जिले की सीमाओं में आगामी आदेश पर्यन्त तक आदेश पारित किया है। जारी आदेशानुसार समस्त उपखण्ड दण्डाधिकारी द्वारा अपने क्षेत्रांतर्गत अनुपयोगी एवं खुले नलकूप बोरवेल तथा ट्यूबवेल की जानकारी एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित रूप में बंद करने की कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जावे।

श्री हनुमान जन्मोत्सव को लेकर बैठक संपन्न

सिंगरौली। बीते दिन बुधवार को हनुमान जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में विगत कई वर्षो से चली आ रही विशाल शोभा यात्रा एवं महाप्रसाद कार्यक्रम के लिए बैठक होटल सत्या इंटरनेशनल में की गई।

जिसमें यह निर्णय लिया गया कि रामनवमी एवं हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम को धूमधाम से मनाए जाने को लेकर विशाल शोभा यात्रा 13 अप्रैल को शाम 4 बजे से निश्चित किया गया। जो कि 12 अप्रैल को हनुमान मंदिर पर 24 घंटे का श्री राम नाम का

कीर्तन तथा 13 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से सुंदरकांड का पाठ एवं 13 अप्रैल को भव्य शोभा यात्रा माजन मोड़ शिव मंदिर के पास से 4 से निकाला जाएगा। जो की शहर भ्रमण करते हुए हनुमान मंदिर तोरण द्वार पर समापन पश्चात सायं 5 बजे से महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। जिसमें महाप्रसाद के लिए समस्त जिम्मेदारी सत्यनारायण बंसल एवं संतोष कुमार सिंह को दी गई तथा शोभा यात्रा की जिम्मेदारी डॉ. डीके मिश्रा, सत्येंद्र कुमार पांडेय, राजबली शाह को दी गई। शहर के साज सज्जा की जिम्मेदारी शिवेंद्र पांडय, रामेश्वर दास उर्फ राजू गुप्ता, राजेंद्र अग्रहरी को दी गई है।

महिला क्लब में धूमधाम से मना गणगौर पूजा उत्सव

सिंगरौली। नगर निगम की महिला क्लब के सदस्यो के द्वारा पारंपरिक रूप से हर्षोउल्लास के साथ गणगौर पूजा का आयोजन किया गया।

इस शुभ अवसर पर सजीव रंगों और भक्तिमय माहौल में महिलाओं ने मां गौरी की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर लोकगीत गाये

और विधिवत पूजा संपन्न की। कार्यक्रम में पारंपरिक राजस्थानी नृत्य, मेहंदी कला का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर सुंदर रूप से सजे गणगौर माता और भगवान शिव की प्रतिमाओं की विशेष पूजा की गई। गणगौर शोभायात्रा में महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कलश लेकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नगर भ्रमण किया। क्लब की होस्ट सुमन पाण्डेय और रेणू सिंह ने कहा कि गणगौर केवल एक पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, श्रद्धा और संस्कृति का उत्सव है। क्लब की अध्यक्ष डॉ. सुमन शर्मा के साथ क्लब की अधिकारी सुधा उपाध्याय, रेणु सिंह, सुमन पाण्डेय, मीनाक्षी तिवारी सहित अन्य मेम्बर भी मौजूद रही।

युवा कांग्रेस द्वारा निकाली जाएगी विशाल बाइक रैली : सूर्या

सिंगरौली

28 मार्च को जन आक्रोश रैली में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, म.प्र. कांग्रेस कमेटी के प्रभारी हरीश चौधरी, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, राहुल जैसे बड़े नेताओं का आगमन हो रहा है। जिसमें युवा कांग्रेस सिंगरौली की तैयारी अपने नेताओं के स्वागत के लिए जोरों से चल रही है। जिसमें युवा कांग्रेस कार्यकर्ता जिले के विधानसभाओं से भारी मात्रा में बाइक लेकर पहुंचेंगे। युवा कांग्रेस सिंगरौली द्वारा परसौना कन्वेयर बेल्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल कलेक्ट्रेट के पास जुड़वा तालाब तक विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी। जिसमें युवा कांग्रेस एवं कांग्रेस पार्टी के साथियों से निवेदन किया गया है कि बाइक रैली में शामिल होकर उक्त कार्यक्रम को सफल बनाएं।

लंबित प्रकरणों का निराकरण कर शीघ्र कराएं राहत राशि का भुगतान : शुक्ला

सिंगरौली। कलेक्टर के अध्यक्षता में एवं सिंगरौली विधायक राम निवास शाह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर के द्वारा पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का निराकरण नही किया गया है उनका शीघ्र निराकरण कर राहत राशि का भुगतान करायें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अन्य जो भी प्रकरण लंबित है उनका निराकरण शीघ्र कर राहत राशि का वितरण कराया जाए। विधायक द्वारा कुल लंबित प्रकरणों की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरणों का निराकरण कर राहत राशि का वितरण कराये तथा न्यायालयों में भी जो प्रकरण निराकरण के लिए लंबित हों न्यायालय द्वारा चाही गई जानकारियांए दस्ता वेज शीघ्र प्रस्तुत करें ।

सिंगरौली में भूकंप का झटका, 3.5 मापी गई तीव्रता, दहशत में रहे लोग

डेढ़ माह के दौरान दूसरा भूकंप का झटका, भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किलोमीटर नीचे रहा

सिंगरौली। आज दिन गुरुवार की दोपहर करीब 3 बजकर करीब 7 मिनट पर भूकंप के झटके से सिंगरौली अंचल की धरती हिलने लगी। भूकंप की तीव्रता 3.5 रही है। हालांकि इसमें किसी प्रकार की जान-माल की हानि नही हुई है। डेढ़ महीने के दौरान जिले में यह दूसरा भूकंप का झटका है।

जानकारी के अनुसार आज दिन गुरुवार को हल्के दर्जे का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र सिंगरौली क्षेत्र था। गनीमत रही कि इसकी तीव्रता काफी कम थी। जिसकी वजह से कही जान-माल के नुकसान की आशंका नही है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 थी। आज दिन गुरुवार को 3 बजकर 7 मिनट पर भूकंप का यह झटका महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन में 10 किलोमीटर नीचे था। सिंगरौली और आसपास के जिलों जिसमें सीधी के साथ-साथ पड़ोसी राज्य सोनभद्र एवं मिर्जापुर-छत्तीसगढ़ प्रांत के जिले में काफी लोगों ने भूकंप के झटके को महसूस किया, तो कुछ को धरती की कंपन का एहसास नही हुआ। जिन लोगों को भूकंप महसूस हुआ वे तुरंत घरों से बाहर निकल आए। लोग एक दूसरे से भूकंप की चर्चा करने लगे। वही इस मामले में जिला प्रशासन बेखबर रहा है। प्रशासन को कहीं से किसी तरह के नुकसान की सूचना नही मिली है। रिक्टर स्केल पर 3.7 तीव्रता वाले भूकंपों को हल्के दर्जे में गिना जाता है। इतनी तीव्रता के भूकंप में नुकसान की आशंका ना के बराबर होती है। हालांकि हल्का से हल्का भूकंप भी लोगों को डरा जरूर देता है। यहां बताते चले कि

करीब 38 दिन पूर्व यानी 17 फरवरी की सुबह 8 बजकर करीब 2 मिनट पर सिंगरौली अंचल के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भूकंप का झटका आया था। उसकी तीव्रता 4.00 रिक्टर स्केल गहराई 261 किलोमीटर थी। उसी दौरान किसी प्रकार की जान-माल की हानि नही हुई थी, लेकिन जिले में आए दिन भूकंप के झटके से लोग दहशत में आ रहे हैं।

दरअसल जिला मुख्यालय बैढ़न के समीप एनसीएल परियोजना अमलोरी, निगाही, जयंत, झिंगुरदह, दुद्धिचुआ एवं पड़ोसी राज्य यूपी के खड़िया-ककरी-बीना में रोजाना आउटसोर्स कंपनियों के द्वारा हैवी ब्लास्टिंग की जाती है। जिसके चलते यहां के रहवासी मानते है कि दोपहर 1 बजे से अपराह 3 बजे तक यदि धरती हिलती है तो उसे हैवी ब्लास्टिंग मान लेते हैं और आज भी इसी तरह की घटना घटित हुई ,लेकिन बाद में लोगों को महसूस हुआ कि हैवी ब्लास्टिंग नही थी। बल्कि भूकंप का झटका था। जिसके चलते सिंगरौली अंचल की धरती और उसके पड़ोसी राज्यों में हिलने लगी। फिलहाल जिले में भूकंप के महसूस किए जा रहे झटके से लोग बाग अब इस अंचल को खतरे से खाली नही मान रहे हैं।

14 महीने में 24 बार हिले सिंगरौली की धरती

बिजली उत्पादन और प्रदूषण के लिए विख्यात सिंगरौली भूकंप के मामले में भी पीछे नहीं है। तकरीबन हर 15 दिन में यहां भूकंप के झटके महसूस किए गए। 14 महीने में 24 बार जिले में भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं। 14 जनवरी 2024 को दोपहर 2:18 पर 5.1, 21 जनवरी 2:17 मिनट पर 3.0 तीव्रता, 22 जनवरी दोपहर 3:26 मिनट 2.7, 24 जनवरी 3:40 पर 2.9, 28 जनवरी को 4:43 पर 3.3, 8 फरवरी 1:24 पर 3.2, 13 फरवरी 4:38 पर 3.5, 6 मार्च 2:19 पर 3.3, 12 मार्च रात 2:22 पर 3.6, 13 मार्च 2:24 में 3.6, 15 मार्च 1:48 पर 3.1, 18 मार्च 2:52 पर 3.3, 29 अप्रैल 5:21 पर 3.5, 1 मई समय 1:06 पर 3.4, 2 जून 3:49 पर 3.9, 1 अगस्त 2:09 पर 3.6, 1 सितंबर 4:45 पर 2.8, 14 सितंबर 2:54 पर 3.4, 3 अक्टूबर 2:44 पर 3.4, 9 दिसंबर 2:18 पर 3.7, 9 दिसंबर 5:21 पर 3.8, 15 दिसंबर 2:04 पर 3.0, साल 2025 में 2 जनवरी को 2:33 पर 3.3, फिर 17 फरवरी को सुबह 8:02 पर 4.0 व आज 3:07 पर 3.7 तीव्रता रिक्टल पैमाने पर दर्ज की गई है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए आवश्यक : देव कुमार

सीधी। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने जिले के व्यापारियों को पार्टी कार्यालय में संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशानुसार भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन जुटा रही है।

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने जिले के वरिष्ठ व्यवसाययों एवं विभिन्न संगठनों के प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव से जहां देश में प्रगति को नए पंख लगेंगे वहीं देश के संसाधनों एवं ऊर्जा का सही नियोजन हो सकेगा। अनावश्यक होने वाले आर्थिक व्यय से भी राष्ट्र को फायदा होगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता शत्रुघ्न तिवारी ने कहा कि आजादी के पश्चात पूरे देश में एक राष्ट्र एक चुनाव लागू था। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव पूरे देश में एक साथ हुए थे, किंतु सत्ता लोलुप कांग्रेस ने विरोधी दलों की सरकारों को समय पूर्व बर्खास्त करने के कारण एक देश एक चुनाव बंद हुआ और विभिन्न राज्यों के चुनाव सरकार के बर्खास्त होने के पश्चात मध्यावर्ती चुनाव के रूप में हुए। एक राष्ट्र एक चुनाव की महत्ता को वरिष्ठ अधिवक्ता श्री तिवारी ने विस्तार से समझाया।

एक राष्ट्र एक चुनाव के संयोजक और पूर्व युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश रतन सिंह चौहान ने कहा कि प्रस्तावित भाषण करते हुए कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए अति आवश्यक है।

एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता पर वैश्य समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष वरिष्ठ व्यवसाई भोला प्रसाद गुप्ता, सिंधी समाज से कमल कामदार, विश्वकर्मा समाज से मुनिराज विश्वकर्मा, वैश्य समाज से दिनेश गुप्ता और कंचन केसरी, सुरेश सिंह चौहान, पुनीत नारायण शुक्ला, अमलेश्वर चतुर्वेदी सहित अनेक लोगों ने बल दिया वही एक राष्ट्र एक चुनाव के प्रस्तावक वरिष्ठ व्यवसाई रवि केसरी और समर्थक राकेश रतन सिंह और कमल कामदार ने करते हुए सभी ने एक साथ तालियो की गड़गड़ाहट से एक राष्ट्र एक चुनाव का समर्थन किया।

स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष पंकज पांडे और आभार प्रदर्शन जिला महामंत्री अशोक पटेल ने किया। कार्यक्रम का संचालन एक चुनाव एक राष्ट्र के सह प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अनिल पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष संदीप शर्मा, जिला महामंत्री विनोद साकेत, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र मणि दुबे, रमेश गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, आरती सिंह, शक्ति वर्मा, रत्नू साकेत, राजकुमारी यादव, डॉक्टर विशाल बाघवानी, अजीत वर्मा, मंडल अध्यक्ष सूबेदास यादव, कौशलेंद्र सिंह, चंदन मिश्रा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ई-आफिस कार्य प्रणाली के लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश

सीधी। राज्य शासन द्वारा कार्यालयों में कार्य प्रक्रिया में तेजी लाने एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस की कार्यप्रणाली लागू करने एवं इसे अमल में लाने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा समस्त कार्यालय प्रमुखों के निर्देशित किया गया है कि वे ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को लागू करने से संबंधित कार्यवाहियाँ जैसे शासकीय कर्मचारियों व अधिकारियों के व्यक्तिगत शासकीय ई-मेल आई.डी का निर्माण, मास्टर डेटाबेस तैयार करने के पश्चात ई-ऑफिस पोर्टल पर ऑन बोर्ड करना एवं कर्मचारियों व अधिकारियों को एनआईसी एवं जिला ई-गवर्नेंस द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने संबंधित कार्यवाहियाँ शीघ्र कर लें। कलेक्टर ने कहा कि उक्त कार्यवाहियां प्राथमिकता से करें जिससे शासन की मंशा अनुरूप ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को जिले के कार्यालयों में तय समय-सीमा में लागू किया जा सके।

महिला सशक्तिकरण की नईह्य बुलंदिया, धरती से ड्रोन तक का सफर

सीधी। जिला सीधी के विकासखण्ड सिहावल के ग्राम खोरवाटोला की रहने वाली श्रीमती मनीषा कुशवाहा का जीवन भी संघर्षों और असफलताओं का सामना कर सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचने की दास्तान है। समूह में जुड़ने से पहले मनीषा कुशवाहा के पास आजीविका के सीमित अवसर होने एवं सामाजिक बंदिशों के कारण जीवन बड़ी कठिनाईयों से गुजर रहा था। इसी बीच आजीविका मिशन के द्वारा समूह गठन का कार्य उनके गाँव में किया जा रहा था। सारी बाते समझने के बाद वह लक्ष्मी स्व सहायता समूह से जुड़ गयी। समूह में जुड़ने के बाद उन्होने कृषि सखी का प्रशिक्षण लिया। समूह से तीन बार में कुल राशि 35 हजार रुपये का ऋण लेकर पारम्परिक गतिविधि सब्जी उत्पादन के कार्य को बढ़ाया। इसके बाद प्रगति उत्पादन समूह गठन कर सब्जी उत्पादन के साथ-साथ थोक बिक्री का कार्य प्रारम्भ किया, जिससे भी उनकी आय में वृद्धि हुयी है। इसके साथ ही श्रीमती मनीषा कुशवाहा का प्रधानमंत्री महिला किसान ड्रोन केन्द्र योजना अन्तर्गत ड्रोन दीदी के रूप में चयन कर ड्रोन प्रदाय किया गया। ड्रोन के सफल संचालन हेतु उन्हे इन्दौर में 05 दिवसीय एवं भोपाल में 03 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। वर्तमान में सफलतापूर्वक ड्रोन का संचालन कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रही है। ड्रोन में यूरिया की जगह नैनो यूरिया के प्रयोग से किसानों की लागत कम हो रही है और उनके समय की बचत (ड्रोन के माध्यम से एक एकड़ में स्प्रे करने में 05-07 मिनट का समय लगता है) हो रही है। वर्तमान में श्रीमती मनीषा कुशवाहा की वार्षिक आय राशि लगभग 1.73 लाख रुपये है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ लेने ई-केवाईसी अनिवार्य, अंतिम तिथि 31 मार्च

ई-केवाईसी नहीं होने पर अप्रैल माह से नहीं मिलेगा खाद्यान्न

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से एनएफएसए का खाद्यान्न नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्राथमिकता परिवारों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य व अन्त्योदय परिवारो को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार में मान से नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। साथ ही समस्त हितग्राहियों को नमक का वितरण 1 रूपये प्रति किलो की दर से एवं अन्त्योदय परिवारों को शक्कर का वितरण 20 रूपये प्रति किलो की दर से किया जा रहा है। सीधी जिले में 250420 परिवार एवं 1048326 सदस्यों को वर्तमान में नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। निरंतर सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं द्वारा ई-केवाईसी की जा रही है। भारत सरकार द्वारा 01 अप्रैल 2025 से स्मार्ट पीडीएस लागू करने से जिन हितग्राहियों की ई-केवाईसी नहीं होगी उन्हे खाद्यान्न प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने ऐसे हितग्राही जिनके परिवार के सभी सदस्यों की ई-केवाईसी नहीं हुई है वे उचित मूल्य दुकाने के विक्रेता से सम्पर्क कर दिनांक 31.03.2025 के पूर्व ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है अन्यथा हितग्राहियों को माह अप्रैल 2025 से खाद्यान्न प्राप्त नही होगा।

बोनस के साथ 2600 रुपये में खरीदा जाएगा किसानो से गेहूँ

सीधी। जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि शासन द्वारा रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के लिए गेहूँ का समर्थन मूल्य 2425 रूपये तथा सरकार द्वारा घोषित बोनस 175 रूपये प्रति क्वि. के साथ किसानों से कुल 2600 रूपये प्रति क्वि. की दर से गेहूँ के उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन जारी है। पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। एमपी किसान एप, ई-उपार्जन पोर्टल तथा मोबाइल, कम्प्यूटर, समिति के पंजीयन केन्द्र तथा ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र में पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है।

भारत स्काउट गाइड की जिला परिषद की बैठक संपन्न

सीधी। भारत स्काउट एवं गाइड जिला परिषद की बैठक भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य उपाध्यक्ष एवं जिला मुख्य आयुक्त डॉ अजय मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं संघ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र मणि दुबे की अध्यक्षता और जिला आयुक्त स्काउट पदेन जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह, जिला आयुक्त गाइड डॉक्टर श्वेता सिंह की विशिष्ट उपस्थिति में उत्कृष्ट विद्यालय में संपन्न हुई।

संघ के राज्य उपाध्यक्ष डॉ अजय मिश्रा ने भारत स्काउट एवं गाइड की विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के संदर्भ में अपना अभिमत रखे। सचिव हरिशंकर पाण्डेय ने बैठक का एजेंडा रखते हुए कहा कि भारत स्काउट गाइड के लिए शिक्षा विभाग द्वारा भूमिका आवंटन किया गया है,

बनेगा भव्य स्काउट प्रशिक्षण भवन

विकास खण्डो के निर्वाचन की प्रक्रिया इस वर्ष पूर्ण कर ली जाएगी, विभिन्न विद्यालयों में स्काउटिंग की गतिविधियां अनिवार्य हो आदि विषयों पर चर्चा की। इसके संदर्भ में जिला आयुक्त स्काउट पदेन जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह ने कहा कि स्काउटिंग से बच्चों में राष्ट्रभक्ति का सहज भाव आता है। इसलिए स्काउटिंग के रखे गए सभी एजेंट अत्यंत महत्वपूर्ण और छात्रों के हित के लिए हैं। आगे आने वाले दिनों में हम सह कार्यालय जन भागीदारी से बनाएंगे। निश्चित रूप से आगे आने वाले दिनों में स्काउटिंग को हम हर विद्यालय स्तर तक अनिवार्य करेंगे, जिसका ध्वनि मत से तालिया की गड़गड़ाहट से परिषद ने अभिनंदन करते हुए सभी प्रस्तावों को पारित किया।

संघ के जिला अध्यक्ष सुरेंद्रमणि दुबे ने स्काउटिंग को बेहतर बनाने के लिए अनेक सुझाव दिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष वरिष्ठ संविदाकार राममिलन साहू, अजय पटेल, काउंसलर डॉ शास्त्री प्रसाद मिश्रा, डीओसी स्काउट छात्रमणि पाण्डेय, डीओसी गाइड अजीत द्विवेदी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त राकेश रतन पाण्डेय, विकासखंड सचिव कुसमी तेजभान सिंह, मझौली के पी सिंह, सिहावल जितेंद्र प्रसाद द्विवेदी, स्काउट मास्टर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, जनजाति विभाग से क्रीड़ा अधिकारी राकेश सिंह, राम सुधा पटेल, माखन मिश्रा, नीतू सोनी सहित जिला कार्य परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।

जिले के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का नहीं मिला कई महीने से वेतन : श्रवण

सीधी

सीधी जिले के कई ऐसे विभाग हैं जैसे कि आदिवासी विकास विभाग सीधी के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का वर्षों से नहीं मिल रहा वेतन कर्मचारी दाने-दाने के लिए हो रहे मोहताज कई बार दैनिक वेतन भोगी स्थायी कर्मी अपने वरिष्ठ कार्यालय में आवेदन देकर वेतन की माँग करते हैं तो उन्हें वरिष्ठ कार्यालय द्वारा बजट का अभाव बताकर भेज दिया जाता है

और बोला जाता है कि जब भी बजट आएगा आप लोगों सभी का इकट्ठा वेतन का भुगतान हो जाएगा। लेकिन आज तक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का भुगतान नहीं हो पाया जब यह जानकारी लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष श्रवण मिश्रा को जानकारी प्राप्त हुई तो उन्होंने अपने अश्वासन में यह कहते हुए जिक्र किया अगर जल्द से जल्द हमारे सभी दैनिक वेतन भोगी स्थायी कर्मी, आउटसोर्स कर्मचारियों का भुगतान नहीं होता तो हमारा संगठन उग्र आंदोलन करते हुए धरना प्रदर्शन करेगा और जब तक कर्मचारियों का वेतन का भुगतान नहीं होगा तब तक लघुवेतन कर्मचारी संघ धरने पर बैठेंगे। इसी तरह सफाई कर्मी का लम्बे अर्से से भुगतान नहीं हो रहा है दूसरा उदाहरण रसोइया से जुड़ी हुई महिलाओं का भी है महिलाओं का भी वेतन भुगतान कई महीनो से नहीं हो रहा है अगर इन सभी दैनिक वेतन भोगी स्थायी कर्मी, आउटसोर्स सफाई कर्मी, रसोइया का भुगतान जल्द से जल्द हो नही होता तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा और कर्मचारियों के हित के लिए जल्द ही संगठन धरना प्रदर्शन में बैठेगा।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में युवाओं के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च

सीधी। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ने जानकारी देकर बताया है कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगारपरक बनाना है। जिससे युवाओं को वास्तविक कार्यानुभव प्राप्त हो सके और व्यावसायिक कौशल में वृद्धि हो।

अल्पकालीन फसल ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च

सीधी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित ने जानकारी देकर बताया है कि शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना अनुसार कृषकों को अपने अल्पकालीन कृषि ऋण की अदायगी ड्यू डेट तक करना अनिवार्य है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीधी अंतर्गत जिला सीधी एवं सिंगरौली से संबद्ध 93 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले कृषकों का 28 मार्च तक ऋण का शत प्रतिशत भुगतान करना होगा । यदि किसानो के द्वारा ऋण का शत प्रतिशत भुगतान नहीं किया जाता है, तो उन्हें शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना का लाभ नहीं मिल पाएगा। वही ऋणी कृषक को इस ऋण राशि का 12 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करना होगा।

बैंक से संबंद्ध समितियों के माध्यम से अल्पकालीन फसल लेकर समयावधि में ऋण चुकाने वाले कृषकों का 01 अप्रैल से शासन द्वारा शून्य प्रतिशत ब्याज दर ऋण का लाभ निरंतर जारी रखते हुए ऋण वितरण किया जावेगा।

मऊगंज कलेक्टर ने नरवाई जलाने पर धारा 163 के तहत दिए प्रतिबंध के आदेश

रीवा। मऊगंज जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संजय कुमार जैन ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह आदेश सम्पूर्ण मऊगंज जिले में तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। वर्तमान परिस्थितियों में आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं है इसलिए भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी जा रही है। जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला दण्डाधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को पटवारी के साथ नरवाई जलाने की घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को भेजने के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों की सुनवाई करके एसडीएम के माध्यम से अंतिम निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक एवं समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है।

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग निर्माण शाखा
खुली निविदा
(दो पैकेट प्रणाली)

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, सीधी, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा नोटिस क्रमांक डिप्टी-सी.ई.-सी-सीधी-03-R1-2025, दिनांक 24.03.2025 के द्वारा आमंत्रित करते है। निविदाएं बन्द होने की तारीख 15.04.2025 एवं समय 15.00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते है। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नही होंगी तथा हस्त निविदाओं को उपेक्षित कर दिया जाएगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। **निविदा क्रमांकः** डिप्टी-सी.ई.-सी-सीधी-03-R1-2025, दिनांक 24.03.2025. **कार्य का नाम लोकेशन सहितः सीधी-सिंगरौली नई बीजी रेल लाइन परियोजना के संबंध में देवसर में टीएसएस भवन और गोंडवाली में एसपी/एसएसपी भवन का निर्माण। निविदा का अनुमानित मूल्यः** ₹ 3,40,33,525.21. **निविदा फार्म की कीमतः** 0.00. **बयाना राशिः** ₹ 3,20,200/-. **कार्य समापन अवधिः** 10 माह मानसून सहित। **ई-निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समयः** दिनांक 15.04.2025 को 15.00 बजे बंद एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से **https://www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय-समय पर बदलाव व शुद्धिपत्रों हेतु आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-सीधी (म0प्र0)
Email-modgmsid@mp.gov.in

क्रमांक/2270/खनिज/2025 सीधी, दिनांक 24/03/2025

// द्वितीय सूचना //

" म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) "

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री वृजेन्द्र कुमार गुप्ता, पिता श्री छेदीलाल गुप्ता, निवासी ग्राम-लच्छीपुर, जिला-प्रतापगढ़ (उ0प्र0) द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन 15.01.2025 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना दिनांक 20.02.2025 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक 21.03.2025 से 04.04.2025 तक यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanijmp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	ख.क्र.	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
सीधी	मझौली	करमाई	1979,1980,1981, 1982, 1983,1988, 1989,1990, 1991, 1992, 1993, 1994, 1995, 1996, 1997, 1998, 2002, 2003, 2007, 2042 एवं 2006	04.00 हे0	निज	मार्बल	-

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवदन पत्रों को म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जायेगा।

खनिज अधिकारी
जिला सीधी (म.प्र.)

जी-24864/24

संपादकीय

वैश्विक स्तर पर मौतों का तीसरा प्रमुख कारण-वायु प्रदूषण

पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मौत वायु प्रदूषण के कारण हो रही है। जिस वायु को हम प्राणदायिनी मानते हैं, वही प्राण लेने लगे तो इसकी वजह क्या है, यह जानने की कोशिश हम नहीं करते। वायु प्रदूषण कितना घातक है, इसे इस बात से समझा जा सकता है कि प्रदूषक तत्व हर क्षण हमारे शरीर के भीतर जा रहे हैं और हमारी रक्त धमनियों से होते हुए शरीर के सभी महत्वपूर्ण अंगों तक पहुंच रहे हैं। इसका किस कदर दुष्प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कई अध्ययन सामने आ चुके हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार वायु प्रदूषण के प्रति आगाह किया है। वैश्विक स्तर पर मौत का यह तीसरा प्रमुख कारण है। बावजूद इसके, दुनिया के ज्यादातर और विशेष रूप से कुछ बड़े देश लापरवाही बरत रहे हैं। प्रदूषण का असर फेफड़े और सांस संबंधी बीमारियों तक सीमित नहीं है। दिल्ली में पिछले दिनों स्वास्थ्य पर आयोजित एसोचैम के सम्मेलन में आगाह किया गया कि प्रदूषण से दिल के दौरे का खतरा भी बढ़ रहा है। वायु गुणवत्ता और प्रदूषण के बीच संतुलन की लकीर खींचते हुए हम अभी तक फेफड़े पर बढ़ते दबाव को लेकर ही चिंतित रहे हैं, लेकिन इसका हृदय पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, इस पर कभी ध्यान नही गया। वायु गुणवत्ता पर जोर देते समय हमें अब हृदय स्वास्थ्य के प्रति भी सजग रहना होगा, क्योंकि वायु प्रदूषण के दौरान घातक सूक्ष्म कण निरंतर रक्त प्रवाह में शामिल होते रहते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि ये कोलेस्ट्राल को आक्सीकृत कर देते हैं, जिससे धमनी पट्टिका के फटने की स्थिति पैदा हो जाती है और दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। अगर जीवन प्रत्याशा को कम होने से बचाना है, तो वायु प्रदूषण की चुनौतियों से जमीनी स्तर पर लड़ना होगा। बेहतर होगा कि लोग विलासिता को त्याग कर प्रकृति से जुड़ें। विशेषज्ञ आए दिन इस संदर्भ में चेताते रहे हैं, लेकिन सवाल है कि इस गहराती समस्या का हल क्या है। जब तक इस समस्या के दूरगामी और स्थायी समाधान के व्यावहारिक रास्ते नही सुझाए जाते, तब तक केवल समस्याओं की पहचान का कुछ ठोस हासिल नही होगा।

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है

संविधान के नाम पर कांग्रेस का दोहरा रवैया दुर्भाग्यपूर्ण

(ललित गर्ग)

धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक में संविधान की धज्जियां उड़ा दी है।' कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये देश को दांव पर लगाती रही है। एक बार फिर उसकी इस कोशिश से उसका असली चेहरा देश के सामने आया है।

कांग्रेस एक बार फिर संविधान को लेकर विवादों से घिर गयी है। संविधान के संबंध में कांग्रेस का दोहरा रवैया एवं चरित्र एक बार फिर देश के सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी अक्सर हाथ में संविधान की प्रति लेकर भाजपा पर इसे बदलने का आरोप लगाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय अपनी हर सभा में इस आरोप को दोहराते रहे कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो संविधान बदल कर आरक्षण खत्म कर देगी, इसका भाजपा को नुकसान भी उठाना पड़ा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि भाजपा पर संविधान बदलने का आरोप लगाने वाली कांग्रेस आज खुद संविधान बदलने की बात कर रही हैं। दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ओबीसी कोटा के तहत पिछड़े मुस्लिमों को आरक्षण देने जा रही है, सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण के संदर्भ में जब उप- मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को यह याद दिलाया गया कि संविधान के तहत मजहब के आधार पर आरक्षण देना मुमकिन नहीं है, तब उन्होंने इशारा किया कि आरक्षण देने के लिए जरूरी बदलाव किए जाएंगे। शिवकुमार के इस बयान के बाद कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक फिर संविधान बचाने का सियासी अभियान हावी हो गया है। इस बार भाजपा आक्रामक है और उसने फिलहाल इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। इस वर्ष बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव का यह अहम मुद्दा बन जाये तो कोई आश्चर्य नहीं है।

मुस्लिम तुष्टिकरण के लिये कांग्रेस सरकारें अपने-अपने राज्यों में अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं योजनाएं लागू करती रही हैं, कर्नाटक में भी वहां के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने सरकार का बजट पेश करते हुए मुस्लिमों के लिए कई घोषणाएं की। सीएम ने ऐलान किया कि सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में से 4 प्रतिशत अब श्रेणी-प्प् बी के तहत मुसलमानों के लिए आरक्षित होंगे। सरकार ने कहा कि मुस्लिम लड़कियों के लिए 15 महिला कॉलेज खोले जाएंगे। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड की ही जमीन पर किया जाएगा, लेकिन सरकार इस पर पैसा खर्च करेगी। मौलवियों को 6000 मासिक भत्ता देने की भी व्यवस्था इस बजट में की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट में दलितों और पिछड़ों के कल्याण के लिए समुचित बजट आवंटित नहीं हुआ लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते मुस्लिमों के लिये लुभावना बजट आवंटित किया गया है। जबकि सरकारों का काम किसी धर्म एवं समुदाय विशेष का तुष्टिकरण न होकर सभी समुदायों का पुष्टीकरण होना चाहिए। जब संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का निषेध किया गया है तो फिर जानबूझकर कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा इसे सूचीबद्ध करके विधि सम्मत क्यों बनाया जा रहा है?

दरअसल, भाजपा और कांग्रेस, दोनों देश की प्रमुख पार्टियों को यह एहसास हो चला है कि संविधान इस देश में बहुत संवेदनशील विषय है और इस पर लोग कतई समझौता नहीं करेंगे। संविधान केवल न्यायिक या वैधानिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह भारत की जनता की आशाओं एवं आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है। इस अर्थ में यह देश के जन-जन के मन का दस्तावेज है। संविधान भारत में सभी नागरिकों के लिए दिग्दर्शक तत्व है। इसलिए, प्रश्न यह उठता है कि जब संविधान इतना स्पष्ट है तो क्या संविधान की मूल भावना पर केवल राजनीतिक स्वार्थ के लिए आघात करना स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण है?

दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पवित्र ग्रंथ पर भी विपक्षी दल एवं कांग्रेस अत्यंत निकृष्ट राजनीति करती जा रही है। जो कांग्रेस शासन में रहते हुए कभी संविधान का सम्मान नहीं कर सकी, वह आज विपक्ष में बैठकर यह भ्रम फैलाने में लगी है कि मोदी सरकार संविधान को खत्म कर देगी। सच तो यह है कि कांग्रेस जैसे दल आज अपने मूल राजनीतिक विचार को खो बैठे हैं। कांग्रेस अपने गांधीवादी विचार और समाजवादी पार्टी जैसे दल समाजवाद और राम मनोहर लोहिया के मूलभूत विचारों को भूल चुके हैं। संविधान को आधार बनाकर विपक्षी दल जनता को विभाजित करने, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने बाज नहीं आ रहे हैं। आश्चर्य नहीं, कांग्रेस ने संविधान को लेकर जो हथियार चलाया था, वही हथियार कर्नाटक में स्वयं कांग्रेस के विरुद्ध चला गया है।

अब इससे होने वाले नुकसान का भान होते ही कांग्रेस तत्काल बचाव में लग गई। वैसे, शिवकुमार के स्पष्टीकरण के बावजूद भाजपा इस मुद्दे पर निशाना साध रही है, तो संकेत साफ है, वह सियासत का मौका जाने नहीं देना चाहेगी। वह संविधान बदलने और न बदलने पर फिर से गर्म हुई राजनीति को ठंडा नहीं होने देगी। बीते लोकसभा चुनाव में जहां भाजपा निशाने पर थी, वहीं इस बार कांग्रेस निशाने पर आ गई है। लोकसभा-राज्यसभा में एवं इस वर्ष बिहार में होने वाले चुनावों में भाजपा कांग्रेस पर आक्रामक रहेगी।

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद से तुर्की की सक्रियता बढ़ गई है। यह वही देश है, जो बशर-अल-असद के कार्यकाल में सीरिया को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता था। वही सीरिया अब तुर्की के अधिकारियों के लिए सैरगाह बना हुआ है। हालांकि, इस वजह से तुर्की और इजरायल में तनाव बढ़ रहा है। दरअसल, विद्रोही गुट के नेता अहमद अल-शरा ने तुर्की के समर्थन से ही सीरिया पर कब्जा किया था। ऐसे में वह बदला चुकाने के लिए सीरिया को तुर्की के लिए खोल दिया है। ऐसे में सीरिया में तुर्की अपनी सैन्य उपस्थिति को बढ़ा रहा है। लेकिन, उसके इस काम में इजरायल अड़चन बनकर खड़ा हो गया है।

इजरायल और तुर्की में जंग की सुगबुगाहट

(प्रियेश मिश्र)

तुर्की और इजरायल के बीच सीरिया में जंग जैसे हालात बन गए हैं। तुर्की ने सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद अपनी सैन्य उपस्थिति को बढ़ा दिया है। इससे इजरायल के लिए खतरा पैदा हो गया है। ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं कि सीरिया में तुर्की और इजरायल के लड़ाकू विमान आमने-सामने आए थे।

सीरिया में विद्रोहियों के कब्जे के बाद से तुर्की की सक्रियता बढ़ गई है। यह वही देश है, जो बशर-अल-असद के कार्यकाल में सीरिया को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता था। वही सीरिया अब तुर्की के अधिकारियों के लिए सैरगाह बना हुआ है। हालांकि, इस वजह से तुर्की और इजरायल में तनाव बढ़ रहा है। दरअसल, विद्रोही गुट के नेता अहमद अल-शरा ने तुर्की के समर्थन से ही सीरिया पर कब्जा किया था। ऐसे में वह बदला चुकाने के लिए सीरिया को तुर्की के लिए खोल दिया है। ऐसे में सीरिया में तुर्की अपनी सैन्य उपस्थिति को बढ़ा रहा है। लेकिन, उसके इस काम में इजरायल अड़चन बनकर खड़ा हो गया है।

सीरिया और तुर्की ने हाल में ही सैन्य समझौता किया है। इसके तहत तुर्की ने नई सीरियाई सेना के पुनर्निर्माण, प्रशिक्षण और शस्त्रीकरण में नई सरकार की सहायता करने की पेशकश की है। वही, सीरिया भी आने वाले दिनों में तुर्की से बड़े पैमाने पर हथियारों की खरीद करने वाला है। हालांकि, सीरियाई सरकार को अब तक किसी भी देश ने मान्यता नहीं दी है। ऐसे में तुर्की के लिए सीरियाई विद्रोहियों को हथियार बेचना मुश्किल हो सकता है। इसके बावजूद एर्दोगन के नेतृत्व वाली तुर्की सरकार सीरियाई विद्रोहियों को हथियार देने और सैन्य समझौता करने पर अड़ी हुई है।

सीरियाई सैन्य ठिकानों में तुर्की की सैन्य उपस्थिति- कई रिपोर्टों के अनुसार, तुर्की ने पाल्मायरा क्षेत्र (पाल्मायरा हवाई अड्डा और टी4) में सीरियाई हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके तुर्की वायु सेना ने कई ठिकाने स्थापित करने की योजना बनाई है।

तुर्की कथित तौर पर सीरिया में अपनी जमीनी और हवाई गतिविधियों का विस्तार करना चाहता है। उदाहरण के लिए, तुर्की ने दमिश्क अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुनर्वास और संचालन में सहायता की है।

इसके अलावा, उत्तरी सीरिया में सीरियन नेशनल आर्मी और इसके तहत काम करने वाले संगठनों के लिए तुर्की का समर्थन सर्वविदित है।

इसके बाद, हाल के दिनों में ऐसी रिपोर्टें आईं कि तुर्की ने उत्तरी सीरिया में मिनाक़ सैन्य हवाई अड्डे पर सैनिकों और सैन्य उपकरणों को पहुंचाया है, जो अब तुर्की-सीरियाई सहयोग से काम कर रहा है। यह हवाई अड्डा अलेप्पो से लगभग 35 किमी उत्तर में और तुर्की सीमा से लगभग 13 किमी दक्षिण में स्थित है।

कई रिपोर्टों का दावा है कि तुर्की ने हाल ही में बेस का नवीनीकरण और विस्तार किया है, सीरिया को अपने हवाई क्षेत्र की निगरानी और नियंत्रण में मदद करने के लिए रडार, वायु रक्षा प्रणाली और अतिरिक्त उपकरण लगाए हैं।

तुर्की-इजरायल सैन्य संघर्ष- तुर्की और इजरायल के बीच सीरिया में मुठभेड़ की भी खबरें हैं। दावा किया गया थआ कि पिछले हफ्तों में सीरियाई हवाई क्षेत्र में तुर्की और इजरायली जेट आमने-सामने आ गए थे। हालांकि, दोनों ही देशों ने इस घटना की पुष्टि नहीं की है। लेकिन, यह तय है कि सीरिया में तुर्की की मौजूदगी इजरायल के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है।

वर्ग पहेली 5683

संकेत: बाएं से दाएं
1. नवंबर 1860 को अब्राहम लिंकन इस देश के सालहवें राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. औलाद, कुलधर, वंशधर (3)
6. मध्यप्रदेश के इस अंचल में बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक स्थित है (3)
7. बजाने वाला, कृपा करने वाला (3)
8. यह मुगलशासक अकबर के बेटे थे जिनका जन्म 31 अगस्त 1569 को हुआ था (4)
10. काला, अश्वेत, कजरारा, श्यामल (2)
12. अनेकाका, विविध, बहुरूप (4)
14. मगध देश या दक्षिण बिहार का प्राचीन वैदिक नाम, घोड़ा (3)
17. कच्चे आम या इमलीसे बनाया गया खट्टा-मीठा पदार्थ (2)
18. धतूरा, स्वर्ण (3)
19. राजा, सम्राट, बादशाह (3)
20. स्वरूप, व्यक्तित्व, घटित (2)
21. गहन चिंतन करने का भाव (3)
22. प्रतिष्ठा, इज्जत, आबरू (2)
23. अवाम, पब्लिक, जनसमुदाय (3)

(ऊपर से नीचे
1. कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि (4)
2. सादृश्य, मिलन, सामंजस्य, एकता (2)
3. रस्म, रीति, प्रथा (3)
4. श्रृंगार कर्म करना, संवर्धन (4)
5. शिरोमणि, मुकुट, शिखा (2)
7. नग, मणि, रत्न (3)
9. स्वजन भावना, अपनत्वपूर्णता (5)
11. वास्तव में, वाकई, सचमुच (5)
13. असुंदर, अनाकर्षक, सौंदर्यहीन (4)
15. कण का अपभ्रंश (2)
16. लगातार देखने की क्रिया, टकटकी (2)
19. माता का वह लाड़-प्यार जो उसकी संतान पर होता है (3)
20. एक प्रकार का परिधान, अंगरखा, वस्त्र, वेश (2)

वर्ग पहेली 5682 का हल

स	द्धा	म	हु	रौ	न		प
ठ		ह	त		म	ता	ल
न	म	क			क	प	ट
शी	त		गु	ना	ह		ना
ल	ल	क	ना		रा	जा	
	बी			सा	म	वे	द
	दो	प	ह	र		द	
ह	स्त		म	ना	ना		लू

जीवन धारा- दुनिया में चीजें हमेशा पूर्ण नहीं होतीं,अच्छे विचारों को जन्म दें

(श्रीश्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु)

इस दुनिया में चीजें हमेशा पूर्ण नहीं हो सकतीं। साथ ही, दूसरों की गलतियों को लगातार दिखाने की गलती न करें। गलतियां हर समय होती रहती हैं। उन्हें सुधारने के लिए प्रयत्नशील होने की जरूरत है।

दुनिया की सभी शिक्षाएं खुशी पाने की बात करती हैं, क्योंकि यही वह चीज है, जिसकी तलाश हरेक इन्सान कर रहा है। खुशी इस बात पर निर्भर नहीं करती है कि हमारे पास क्या है और क्या नहीं है। लोगों को किसी चीज की जरूरत होती है, तो वे बाहर जाकर खरीद लेते हैं, लेकिन खुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप खरीद सकते हैं। हमें चीजों को बाहर ढूंढने की आदत हो गई है, जबकि खुशी हमारे भीतर ही मौजूद है। हमारे जीवन में कुछ ऐसी चीजें होती हैं, जो हमें परेशान करती हैं, जिसे माया कहते हैं। उदाहरण के तौर पर देखें, तो यदि कोई आपसे प्यार करता है, तो भी परेशानी हो सकती है और यदि प्यार न करे, तो भी परेशानी है। जीवन में कई बार ऐसी स्थिति आती है, जिसमें आपको मुसीबतों का सामना करना पड़ता है। इसलिए एक संकल्प जरूर लें, चाहे कुछ भी हो जाए, मैं अपनी खुशी नहीं खोऊंगा। भले ही आपको व्यापार, रिश्तों या जीवन के किसी भी दूसरे पहलू में नुकसान का सामना करना पड़े, लेकिन आपको अपनी खुशी नहीं खोनी चाहिए। यह आपके विकास का एक पैमाना है। जब आप खुशी के स्रोत पर जाते हैं, तो आपकी इंद्रियां मजबूत हो जाती हैं, आपका मन संतुष्ट हो जाता है और चीजें आपके पक्ष में होने लगती हैं।

ध्यान रहे कि आप पूर्ण बनने के लिए तनाव न लें। अगर आप पूर्णता पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, तो गुस्सा महसूस करेंगे। दुनिया अपूर्ण लग सकती है, लेकिन अंदर से सब कुछ पूर्ण है। पूर्णता छिपी हुई है, जबकि अपूर्णता दिखाई देती है। केवल आप मानवता की मदद करने के लिए आगे बढ़ें और हमेशा खुश रहने की कोशिश करें। समझदार लोग सतह से परे देखते हैं। इस दुनिया में चीजें हमेशा पूर्ण?नहीं हो सकतीं। साथ ही, दूसरों की गलतियों को लगातार दिखाने की गलती न करें। गलतियां हर समय होती रहती हैं। उन्हें सुधारने के लिए प्रयत्नशील होने की जरूरत है। जब आप स्वीकार करते हैं कि गलतियां हो सकती हैं, तो आप दृढ़ और दयालु दोनों हो जाते हैं और नए सिरे से बेहतर करते हैं। हर कोई कल की उम्मीद में अपनी वर्तमान खुशियों को हमेशा टालता रहता है। कोई सोचता है कि जब वह कॉलेज जाएगा,?तो खुश रहेगा। कॉलेज में लगता है कि कमाने लगेगा, तो वह खुश रहेगा। फिर उसे लगता है कि जब वह शादी करेगा, तो खुश रहेगा। यह चक्र चलता रहता है, और वह खास दिन कभी नहीं आता। यह ऐसा है, जैसे पूरी रात अपना बिस्तर बनाने की कोशिश करते रहना और सो न पाना। भविष्य में खुश रहने का इंतजार करने के बजाय, अभी खुश रहना चुनें।

आज का राशिफल

मेष
आज लोगों के लिए दिन करियर के लिहाज से अच्छा है। आप छोटे-मोटे पार्ट टाइम काम के लिए भी समय निकाल पाएंगे और उसमें सफल होंगे। आपकी सभी महत्वाकांक्षाएं पूरी होंगी और आपको धन सम्?मान के मामले में लाभ होगा।

वृष
आज दिन शुभ है और आप किसी शुभ काम में भाग लेंगे। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए आपको पैसों की बचत करने की सलाह है और सिर्फ जरूरी चीजों की खरीद करें। शाम को किसी खास मेहमान का आगमन हो सकता है और आपका जीवन सुख में बीतेगा।

मिथुन
आज करियर में सफलता मिलेगी और आपके लिए तरक्?की के योग बन रहे हैं। आपको देखकर दूसरे लोग भी काफी खुश होंगे। आपको अपनी उपलब्धियों पर नजर रखनी होगी और इस तरक्की को बनाए रखना ।

कर्क
आज दिन व्यस्तता से भरा रहेगा और आप दूसरों की मदद करने को हमेशा तैयार रहेंगे। आपको कोई चिंता परेशान कर सकती है और आपके भाग्य में वृद्धि के योग हैं। अगर सब लोग राजी हों तो कहीं घूमने जाने की योजना बन सकती है।

सिंह
आज कारोबार में लाभ होगा और आपकी तरक्?की होगी। आपको कारोबार की चिंता विशेष रूप से परेशान करेगी, क्योंकि पिछले काफी दिनों से व्यवसाय ठीक नहीं चल रहा है। अस्थिरता आपका पीछा नहीं छोड़ रही है और आपको काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या
आज करियर में लाभ होगा और आपके लिए बिजनस में शानदार मुनाफा पाने के योग बने हैं। आप किसी खास काम में व्यस्त रहेंगे और आपको लाभ भी होगा। इसके नतीजे फायदेमंद होंगे और फिलहाल, आप अपने काम को उत्साह से पूरा करें ।

तुला
आज किसी वजह से चिंतित और परेशान रहेंगे और आपके सामने कई तरह की समस्?याएं आ सकती हैं। सामाजिक और व्यवसायिक क्षेत्र में आपके विरोधी आपके सामने खड़े हो सकते हैं और आपको आप अपनी हिम्मत और समझदारी से ही इन लोगों को हरा सकते हैं।

वृश्चिक
आज करियर में अचानक से अच्छी खबर मिलेगी। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें, तो आप तरक्?की करेंगे। बदलते माहौल में नई योजनाएं सफल होंगी और आपको पुराने झगड़ों से छुटकारा मिलेगा।

धनु
आज दिन सफलता से भरा रहेगा। आसपास के माहौल से आपको फायदा होगा। किसी खास व्यक्ति की मदद करनी पड़ सकती है। थोड़ा भागदौड़ करने से आपको सफलता मिल सकती है और आपकी पूर्व निर्धारित योजनाएं सफल होंगी। रात का समय खुशी में बीतेगा। आपकी इनकम बढ़ेगी। परिवार के साथ घूमने का मौका मिलेगा।

मकर
आज करियर और कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा और आपके सम्?मान में वृद्धि से मन काफी प्रसन्?न होगा। ग्रहों की चाल आपके भाग्य के विकास में सहायक है और आपकी तरक्?की होगी। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा और आपको दिन भर शुभ समाचार मिलते रहेंगे।

कुंभ
आज सफलता मिलेगी और आपकी कई समस्?याओं का अंत होने से मन काफी प्रसन्?न रहेगा। बड़े अधिकारियों से अच्छे संबंध बनाने का मौका मिलेगा और आपको इससे लाभ होगा। आयात-निर्यात का व्यवसाय शुरू करने का फैसला भी आज हो सकता है और आपकी रुचि धर्म में रहेगी।

मीन
आज खुशियां लेकर आएगा। आप उनके करियर को लेकर खुश रहेंगे। दिन अच्छा है। जिन युवाओं ने अभी करियर की शुरुआत की है, उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। ऑफिस में आपकी इज्जत बढ़ेगी। शाम और रात का समय लोगों से मिलने-जुलने में बीतेगा। आपको तरक्की मिलेगी। किस्मत आपका साथ देगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार : एनसीडब्ल्यू ने आश्रय गृह से 13 लड़कियों के भागने पर अधिकारियों से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने बिहार के सिवान जिले के एक आश्रय गृह से 13 लड़कियों के कथित रूप से चले जाने की घटना का बुधवार को संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों से तीन दिनों के भीतर कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। राज्य के तीन दिवसीय दौरे पर बुधवार को यहां पहुंची एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को पत्र लिखकर मुख्य सचिव, संबंधित जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को प्रतियां भेजीं, जिसमें लड़कियों के तत्काल पुनर्वास और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एनसीडब्ल्यू ने एक पोस्ट में कहा, ''तीन दिनों के भीतर एक विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी चाहिए।'' सिवान जिले के एक आश्रय गृह से 19 मार्च की मध्य रात्रि 13 लड़कियां कथित तौर पर 14 फुट ऊंची कंटीली तार की दीवार फांदकर वहां से चले गईं थीं।

आरामदायक दायरे से बाहर निकलें युवा भारतीय, चुनौतियों को स्वीकारने से विकास होता है: सिंधिया

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को युवा भारतीयों से अपने आरामदायक दायरे से बाहर निकलने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि जोखिम लेने और चुनौतियों को स्वीकार करने से ही विकास होता है। राष्ट्रीय राजधानी में एनडीटीवी युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''आरामदायक क्षेत्र जाल है। असली यात्रा तब शुरू होती है जब आप उनसे आगे कदम बढ़ाते हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उनके माता-पिता शुरू में उन्हें विदेश भेजने के खिलाफ थे। उन्होंने कहा, ''उन्हें डर था कि मुझे संघर्ष करना पड़ेगा और ईमानदारी से कहूं तो मुझे भी संदेह था। लेकिन उस फैसले ने मेरी जिंदगी बदल दी।'' उन्होंने कहा, ''हम एक आश्रित राष्ट्र से आत्मनिर्भर राष्ट्र की ओर बढ़ रहे हैं और भविष्य उन लोगों का है जो जोखिम उठाने को तैयार हैं।

शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है, मालिक और उसके गुलामों की नहीं: शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली शिवसेना 'मालिक और गुलामों' की नहीं बल्कि समर्पित कार्यकर्ताओं की पार्टी है। शिवसेना (उबाठा) से शिवसेना में शामिल हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि उनके जैसे सैनिक सोने का चम्मच लेकर पैदा नहीं हुए। उन्होंने कहा, ''हमने लोगों के जीवन में सुनहरे दिन लाने के लिए कड़ी मेहनत की है। हम जमीनी कार्यकर्ता हैं और मैं आपका सहयोगी हूं। यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है, न कि मालिक और गुलामों की पार्टी।'' शिंदे ने कहा कि उन्होंने हमेशा आलोचना और दुर्व्यवहार का जवाब अपने काम से दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी 16 मई को राज्य के स्वर्ण जयंती समारोह के लिए सिक्किम आ सकते हैं: मुख्यमंत्री

गंगटोक, एजेंसी। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि राज्य के स्वर्ण जयंती समारोह के लिए 16 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिक्किम का दौरा करने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय सत्र के दूसरे दिन राज्य का बजट पेश करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री का दौरा सिक्किम की राजनीतिक यात्रा में एक ऐतिहासिक क्षण होगा, जो 16 मई 1975 को भारत का 22वां राज्य बनने के बाद से अपनी स्वर्ण जयंती मना रहा है।'' मुख्यमंत्री के अनुसार, मोदी यहां विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

श्रीलंका की जेल से रिहा हुए 7 मछुआरे तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए सात मछुआरों को जेल से रिहा कर दिया गया और वे गुरुवार को तमिलनाडु के चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंच गए. चार मछुआरों को 20 फरवरी को और अन्य तीन को 22 फरवरी को कथित तौर पर सीमा पार से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले आज रामेश्वरम मछुआरा संघ ने कहा कि श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 11 मछुआरों को पकड़ लिया और उन्हें जांच के लिए कांगेसंतुरई नौसेना शिविर ले गई. इससे पहले 20 मार्च को तमिलनाडु के पकड़े गए 13 मछुआरों भारतीय दूतावास को सौंप दिया गया और वे भारत लौट आए. वे कथित रूप से स्वीकृत सीमा से बाहर मछली पकड़ने के आरोप में पकड़े गए थे। एक अन्य मामले में मछुआरों के समूह को 26 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था. उन्हें श्रीलंका की मल्लकम अदालत में पेश किया गया, जहां उन्हें लगभग एक महीने तक कैद में रखा गया. इसके अलावा तीन मछुआरों को चोट लगने के कारण उन्हें श्रीलंका के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. श्रीलंकाई अदालत ने कथित तौर पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद 12 मार्च को 13 मछुआरों को रिहा कर दिया। कराईकल क्षेत्र के विभाग के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया और उन्हें एक अलग वाहन में कराईकल क्षेत्र ले गए।

उत्तराखंड के वसुधारा झील की सेंसर से होगी निगरानी, केदारताल का अध्ययन करने जाएगी वैज्ञानिकों की टीम

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड की उच्च हिमालय क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में ग्लेशियर मौजूद हैं, लेकिन ये ग्लेशियर कई बार लोगों के लिए भी एक बड़ी समस्या भी बन जाते हैं. ग्लेशियर में बनने वाले ग्लेशियर झील नीचे रह रहे लोगों के लिए काफी खतरनाक साबित होती रही है. जिसको देखते हुए भारत सरकार की ओर से प्रदेश के पांच ग्लेशियर झीलों को चिन्हित कर अतिसंवेदनशील बताया गया है. जिनकी निगरानी के लिए निर्देश दिए गए हैं. ऐसे में पिछले साल आपदा विभाग की ओर से वसुधारा झील का अध्ययन कराया गया था. ऐसे में अब आपदा विभाग वसुधारा झील पर अध्ययन के बाद सेंसर के जरिए अध्ययन करने पर जोर दे रही है।

उत्तराखंड में 13 ग्लेशियर झीलों में 5 झील अति संवेदनशील: बता दें कि भारत सरकार की एनडीएमए यानी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने संवेदनशील ग्लेशियर झीलों की सूची जारी की थी. जिसमें उत्तराखंड में मौजूद 13 ग्लेशियर झीलों को संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बताया गया है. इन झीलों को संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में रखा है।

ए कैटेगरी में अति संवेदनशील 5 ग्लेशियर झील को रखा गया है, जिसमें से 4 ग्लेशियर झील पिथौरागढ़ और 1 ग्लेशियर झील चमोली जिले में मौजूद है. इसके साथ ही थोड़ा कम संवेदनशील वाले 4 झीलों (चमोली 1, टिहरी 1 और पिथौरागढ़ 2) को बी कैटेगरी और कम संवेदनशील 4 झीलों (उत्तरकाशी, चमोली और टिहरी) को सी कैटेगरी में रखा गया है। एनडीएमए की ओर से सूची जारी होने के बाद उत्तराखंड आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी निगरानी का निर्णय लिया था. साथ ही साल 2024 में आपदा विभाग ने विशेषज्ञों की टीम गठित कर वसुधारा ग्लेशियर झील के अध्ययन करवाया था. अध्ययन में बाद अब आपदा विभाग ने वसुधारा ग्लेशियर झील में सेंसर लगाकर अध्ययन करने का निर्णय लिया है।

ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड से मच चुकी है तबाही: उत्तराखंड राज्य में पिछले 10 से 15 सालों के भीतर दो बड़ी घटनाएं हुई है, जो ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लेशियर झील फटने की वजह से हुई थी. साल 2013 में केदार घाटी से ऊपर मौजूद चौराबाड़ी ग्लेशियर झील की दीवार टूटने की वजह से एक बड़ी आपदा आई थी. उस दौरान करीब 6 हजार लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा फरवरी 2021 में चमोली जिले में नंदा देवी ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटने की वजह से धौलीगंगा में बड़ी तबाही मच गई थी. यही वजह है कि ग्लेशियर झीलों को भविष्य के लिहाज से काफी खतरनाक माना जा रहा है. जिसके चलते ग्लेशियर में मौजूद झीलों की लगातार निगरानी करने की जरूरत है।

वसुधारा ग्लेशियर लेक का बढ़ रहा आकार: दरअसल, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक पहले ही वसुधारा ग्लेशियर झील का अध्ययन कर चुके हैं. जिसके अनुसार, वसुधारा ग्लेशियर झील का आकार लगातार बढ़ता जा रहा है. वाडिया से मिली जानकारी के अनुसार, साल 1968 में वसुधारा ग्लेशियर लेक का आकार 0.14 वर्ग किलोमीटर था. जो साल 2021 में बढ़कर 0.59 वर्ग किलोमीटर हो गया था। यानी इन 53 सालों में वसुधारा ग्लेशियर झील की साइज में करीब 421.42 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है. इसी क्रम में वसुधारा ग्लेशियर झील में एकत्र पानी की मात्रा भी लगातार बढ़ती जा रही है. वाडिया संस्थान के अनुसार, साल 1968 में वसुधारा ग्लेशियर झील में करीब 21,10,000 क्यूब मीटर पानी था, जो साल 2021 में बढ़कर करीब 1,62,00,000 क्यूब मीटर हो गया। 20 करोड़ रुपए की धनराशि में वसुधारा ग्लेशियर झील में लगाया जाएगा सेंसरः उत्तराखंड आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि भारत सरकार की एनडीएमए की ओर से पांच झीलों को चिन्हित किया गया है, जो खतरनाक नहीं है, लेकिन उसकी निगरानी करने की जरूरत है. जिसके चलते आपदा विभाग की टीम वसुधारा ग्लेशियर झील की स्टडी करके आ गई है।

ऐसे में वसुधारा ग्लेशियर झील में जो सेंसर लगाया जाना है, उसका प्रस्ताव तैयार कर भारत सरकार को भेजा गया है. ऐसे में उम्मीद है कि सेंसर लगाए जाने के लिए जल्द ही धनराशि मिल जाएगी. बता दें कि आपदा प्रबंधन विभाग की ओर वसुधारा ग्लेशियर झील में सेंसर लगाए जाने के लिए करीब 20 करोड़ रुपए धनराशि का प्रस्ताव भेजा गया है। पिथौरागढ़ के चार ग्लेशियर झीलों की निगरानी के लिए बरसात के बाद भेजी जाएगी टीमः आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने बताया कि वसुधारा ग्लेशियर झील के अलावा जो अन्य चार ग्लेशियर झील संवेदनशील हैं, उसके अध्ययन के लिए विशेषज्ञों की टीम इसी साल भेजी जाएगी।

लंबे इंतजार के बाद ट्रेन से भी कश्मीर जा सकेंगे यात्री

नईदिल्ली, एजेंसी। कश्मीर में रेलवे परियोजनाः भारतीय रेलवे (आईआर) ने देश के दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ने और सुचारू ट्रेन संचालन स्थापित करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके लिए, राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने नई रेल लाइनों के निर्माण और सर्वेक्षण, रेल पटरियों के दोहरीकरण और नवीनीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और ट्रेनों की शुरूआत और विस्तार सहित कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है। अब लंबे इंतजार के बाद कश्मीर घाटी को अपनी पहली ट्रेन सेवा मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 अप्रैल को कटरा से श्रीनगर के लिए पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि उद्घाटन ट्रेन एक विशेष वंदे भारत ट्रेन होगी। सूत्रों का कहना है कि उद्घाटन ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के अलावा, पीएम मोदी दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल का दौरा भी करेंगे और उसी दिन कटरा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला सहित अन्य शीर्ष राजनीतिक हस्तियां और अधिकारी भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। शुरुआत में, ट्रेन कटरा और श्रीनगर/बारामुल्ला के बीच चलने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अगस्त से, जब जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा हो जाएगा, तो ट्रेन जम्मू से श्रीनगर/बारामुल्ला के बीच चलने की उम्मीद है। हालांकि, अभी दिल्ली से श्रीनगर के लिए कोई सीधी ट्रेन सेवा नहीं होगी। इसके अलावा कश्मीर में रेल मंत्रालय ने प्रतिष्ठित उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना पूरी कर ली है।

मुंबई में 17 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, भारत में अवैध रूप से रहने का आरोप

मुंबई, एजेंसी। भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में मुंबई पुलिस ने 17 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है. इनकी गिरफ्तारी शिवाजीनगर और आरसीएफ पुलिस थाना क्षेत्रों में की गई है. पुलिस ने एक बयान में कहा कि जांच के दौरान आरोपी भारतीय नागरिक होने के सबूत नहीं दे सके. फिलहाल मामले में आगे की जांच कर रही है। बयान के मुताबिक, शिवाजीनगर और आरसीएफ क्षेत्रों में पुलिस ने 24 मार्च को छापेमारी इन्हें पकड़ा. फिलहाल सभी आरोपी पुलिस की हिरासत में हैं। बीते दिनों, मेघालय में दो नाबालिगों सहित 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जो भारत में अवैध रूप से घुसे किए थे. खुफिया सूचना के आधार पर री भोई थाने की पुलिस ने कामाख्या और गुवाहाटी में ट्रेन संख्या 15945 (एलटीटी-डिब्रूगढ़ स्टेशन) पर तलाशी अभियान चलाया था। पुलिस ने बताया था कि हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिकों में काकली सरदार (36), हिरिना दिली मुल्ला (30), उन्जिला सदर (32), राबिया बेगम (37), पन्ना कमाल हुसैन (42), पोपी हसु मुल्ला (26), सोनिया शेख (24), सोभा इस्लाम (28), सजा उद्दीन एसके (26) और दो नाबालिग शामिल हैं।

ओला-उबर जैसी टैक्सी सेवा लॉन्च करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। होम मिनिस्टर अमित शाह ने संसद में बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से जल्दी ही एक कॉपरेटिव टैक्सी सर्विस शुरू होगी। इसके तहत कार, ऑटो और बाइक टैक्सी चलाने वाले लोग रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इससे होने वाला पूरा मुनाफा सीधे ड्राइवर के पास जाएगा और किसी तरह का कमिशन उनसे नहीं लिया जाएगा। अमित शाह सहकारिता मंत्रालय भी संभालते हैं और इसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में संसद में उन्होंने यह जानकारी दी। अमित शाह ने कहा कि अब तक ऐसी टैक्सी सेवाओं से मिलना वाला कमिशन धन्नासेठों के हाथों में जाता था और ड्राइवर खाली रह जाता था। अब ऐसा नहीं होगा और एक सहकारिता क्रांति की शुरुआत की जाएगी। अमित शाह ने कहा, सहकार से समृद्धि का नारा सिर्फ नारा नहीं है बल्कि हमने जमीन पर इसे उतारा है। कुछ ही महीनों में सहकारी टैक्सी सेवा आने वाली है। यह सहकारी सेवा चार पहिया वाहनों, ऑटो और दो पहिया का रजिस्ट्रेशन करेगी। इस टैक्सी सर्विस में रजिस्ट्रेशन कराने पर पूरा फायदा सीधे ड्राइवर को मिलेगा। किसी धन्नासेठ के हाथों में मोटा हिस्सा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्दी ही एक सहकारी बीमा कंपनी भी आने वाली है। यह जल्दी ही देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी बनेगी। दरअसल उबर और ओला जैसी कंपनियों के साथ मिलकर टैक्सी चलाने वाले ड्राइवरों को कमाई का एक हिस्सा देना होता है। सबस्क्रिप्शन फीस देनी होती है और हर राइड पर निश्चित कमिशन भी ड्राइवरों को कंपनी को देना होता है। सहकारी टैक्सी सेवा के आने से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, पटना,

कोलकाता, चेन्नै, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में परिवहन की व्यवस्था में बड़ा सुधार दिख सकता है।

अब तक ओला, उबर जैसी टैक्सी सेवाओं के भरोसे ही लोगों को रहना पड़ रहा है। शुरुआती दौर में इन टैक्सी सेवाओं से ड्राइवरों को काफी फायदा हुआ था, लेकिन अब कंपनियों ने अपने कमिशन में इजाफा कर लिया है। ऐसे में टैक्सी सेवा से होने वाले लाभ में ड्राइवरों की हिस्सेदारी बहुत कम हो गई है। इसी ओर इशारा करते हुए अमित शाह ने कहा कि अब टैक्सी सेवा से होने वाला मुनाफा धन्नासेठों के पास नहीं जाएगा बल्कि ड्राइवरों को पूरा लाभ मिलेगा। ऐप के जरिये जुड़ सकेंगे ड्राइवर माना जा रहा है कि सहकारी टैक्सी सेवा देश भर के प्रमुख शहरों में शुरू की जा सकता है. अन्य कैब सेवाओं की तरह ड्राइवर ऐप के जरिये खुद को रजिस्टर्ड कर सकेंगे और रोजगार हासिल कर सकेंगे. केंद्र सरकार के समर्थन के कारण ड्राइवर आसानी से इस सेवा से जुड़ेंगे. साथ ही यात्रियों को लुभाना भी आसान होगा. इसलिए सहकारी टैक्सी सेवा के शुरू होने के बाद उबर, ओला और अन्य कैब सेवाओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है।

ड्राइवरों की आय में होगी वृद्धि! ओला और उबर जैसे बिचौलियों के बजाय इस मॉडल से ड्राइवरों की आय में वृद्धि हो सकती है और यात्रियों के लिए अधिक किफायती किराया भी प्रदान किया जा सकता है।

विधायक यतनाल को भारी पड़ी बगावत, भाजपा ने पार्टी से निकाला; विजयेंद्र की बढ़ी ताकत

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कर्नाटक में अपने बागी विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई पार्टी के केंद्रीय अनुशासन समिति ने यतनाल की बार-बार अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते की। इस फैसले को कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र के लिए एक मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है, जो यत्नाल के लगातार हमलों का सामना कर रहे थे। यतनाल के निष्कासन को भाजपा के हलकों में इस बात के संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि विजयेंद्र नवंबर 2026 में अपने तीन साल के कार्यकाल के पूरा होने तक प्रदेश इकाई का नेतृत्व करते रहेंगे। भाजपा नेतृत्व का यह कदम यतनाल को उनकी कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए दूसरा कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के लगभग छह सप्ताह बाद आया है।

राज्य अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी : यतनाल विजयपुरा से विधायक हैं

और पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। वे लंबे समय से पार्टी के दिग्गज नेता बी. एस. येदियुरप्पा और उनके बेटे विजयेंद्र के खिलाफ मुखर रहे हैं। उन्होंने विजयेंद्र पर वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, साथ ही उनकी राज्य अध्यक्ष पद से हटाने की मांग की थी। इसके अलावा, यतनाल ने पार्टी के आधिकारिक कार्यक्रमों से अलग अपनी समानांतर गतिविधियां शुरू की थीं, जैसे वक्फ बोर्ड के खिलाफ एक अलग पदयात्रा, जिसे पार्टी नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया। पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली और पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा जैसे अपने गुट के कुछ सदस्यों के साथ यतनाल ने जनवरी और फरवरी में कई बार दिल्ली का दौरा किया और पार्टी हाईकमान से विजयेंद्र को हटाने का आग्रह किया था। भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक द्वारा जारी निष्कासन आदेश में कहा गया, 10 फरवरी 2025 को जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब पर विचार करने के बाद समिति ने आपके बार-बार अनुशासन उल्लंघन को गंभीरता से लिया है। पहले के नोटिसों में अच्छे व्यवहार के आश्वासन के बावजूद आपकी गतिविधियां जारी रहीं। इसलिए आपको तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया जाता है।

हिंदुत्व के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा : यतनलाल ने इस कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मुझे वंशवादी राजनीति, भ्रष्टाचार, पार्टी में सुधार और उत्तरी कर्नाटक के विकास की मांग के लिए छह साल के लिए निष्कासित किया गया है। यह फैसला मेरे संघर्ष को कमजोर नहीं करेगा। मैं भ्रष्टाचार, परिवारवाद और हिंदुत्व के लिए अपनी लड़ाई जारी रखूंगा।

अब बिना भारत आए वोट डाल सकेंगे विदेश में बसे भारतीय? संसदीय समिति ने सुझाए नए विकल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। एक उच्च-स्तरीय संसदीय समिति ने गैर-निवासी भारतीयों को मतदान का अधिकार देने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। समिति ने इसके लिए प्रॉक्सी वोटिंग और इलेक्ट्रॉनिक बैलट (ई-बैलट) जैसे विकल्पों की सिफारिश की है, ताकि विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिक भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। समिति ने यह भी उल्लेख किया कि यह मामला वर्तमान में कानून मंत्रालय के पास लंबित है।

कांग्रेस नेता शशि थरूर की अध्यक्षता वाली विदेश मामलों की संसदीय समिति ने गुरुवार को प्रवासी भारतीयों पर अपनी रिपोर्ट संसद में पेश करने की योजना बनाई है। इस रिपोर्ट में एनआरआई की परिभाषा को स्पष्ट करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है, क्योंकि विभिन्न कानूनों में इस शब्द का अलग-अलग उपयोग किया जाता है।

एनआरआई मताधिकार को लेकर समिति की सिफारिशें : रिपोर्ट में समिति ने कहा कि मौजूदा नियमों के तहत एनआरआई को मतदान सूची में नाम दर्ज कराने के बावजूद भारत में शारीरिक रूप से मौजूद रहकर ही मतदान करना पड़ता है। समिति ने चिंता व्यक्त की कि बड़ी संख्या में एनआरआई भारतीय नागरिकता छोड़ चुके हैं या दोहरी नागरिकता रखते हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सीमित हो गई है। हालांकि,

एनआरआई मतदान अधिकार का मुद्दा अभी कानून मंत्रालय की समीक्षा में है, लेकिन समिति ने विदेश मंत्रालय से आग्रह किया है कि वह इस मामले को कानून मंत्रालय और चुनाव आयोग के साथ सक्रिय रूप से आगे बढ़ाए। समिति ने प्रॉक्सी वोटिंग और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित पोस्टल बैलेट सिस्टम जैसी संभावित समाधानों का सुझाव दिया है। लेकिन इसके लिए 1950 के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन की आवश्यकता होगी और राजनीतिक दलों से व्यापक विचार-विमर्श जरूरी होगा। गौरतलब है कि वर्ष 2010 में जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20ए में संशोधन कर एनआरआई को सीमित मतदान अधिकार दिए गए थे।

योगी आदित्यनाथ नफरत पर भाषण देना चाहते हैं, हमें बख्श दें: मुख्यमंत्री एमके स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तीन भाषा विवाद और परिसीमन को लेकर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तीखा हमला बोला है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु की दो भाषा नीति और निष्पक्ष परिसीमन की मजबूत और स्पष्ट आवाज पूरे देश में गूंज रही है, जिससे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) परेशान हो गई है। उन्होंने बीजेपी नेताओं के इंटरव्यू का हवाला देते हुए इसे हास्यास्पद करार दिया। स्टालिन ने अपने बयान में कहा, तमिलनाडु की निष्पक्ष और दृढ़ आवाज को अब पूरा देश सुन रहा है। बीजेपी के नेता बेचैन हैं, बस उनके इंटरव्यू देख लीजिए। और अब माननीय योगी आदित्यनाथ हमें नफरत पर भाषण देना चाहते हैं? हमें बख्श दें। यह विडंबना नहीं है, बल्कि यह राजनीति का सबसे काला हास्य है। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु किसी भी भाषा का विरोध नहीं करता, बल्कि वह थोपने और भाषाई दंभ के खिलाफ है।

योगी के बयानों पर स्टालिन का पलटवार : हाल ही में एएनआई को दिए इंटरव्यू में योगी आदित्यनाथ ने तीन भाषा नीति और परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री की आलोचना की थी। योगी ने कहा था कि स्टालिन का यह रुख संकीर्ण

राजनीति का हिस्सा है और यह क्षेत्र और भाषा के आधार पर विभाजन पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने यह भी कहा था कि तमिलनाडु में हिंदी के प्रति विरोध का कोई कारण नहीं है, क्योंकि उत्तर प्रदेश में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम जैसी दक्षिण भारतीय भाषाओं को पढ़ाया जाता है।

इसके जवाब में स्टालिन ने कहा, हम किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। हमारा विरोध थोपने और दंभ के खिलाफ है। यह वोटों के लिए दंगा भड़काने की राजनीति नहीं है। यह सम्मान और न्याय की लड़ाई है। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी पार्टी का यह रवैया देश को एकजुट करने के बजाय बांटने का काम कर रहा है।

दो भाषा नीति और परिसीमन का मुद्दा : तमिलनाडु लंबे समय से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत प्रस्तावित तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध करता रहा है। राज्य की डीएमके सरकार का मानना है कि यह नीति हिंदी को थोपने की कोशिश है, जो तमिल भाषा और संस्कृति के लिए खतरा बन सकती है। स्टालिन ने दो भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) को तमिलनाडु की पहचान और प्रगति का आधार बताया है। इसके अलावा, परिसीमन का मुद्दा भी तमिलनाडु के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि जनसंख्या के आधार पर प्रस्तावित परिसीमन से दक्षिणी राज्यों को नुकसान होगा, क्योंकि वे परिवार नियोजन में सफल रहे हैं। उन्होंने इसे अन्यायपूर्ण करार देते हुए कहा कि इससे तमिलनाडु की संसदीय आवाज कमजोर होगी।

बीजेपी पर हमला तेज : स्टालिन ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनकी पार्टी का असली चेहरा अब सामने आ रहा है। उन्होंने कहा, बीजेपी के नेता हमें देशभक्ति और एकता का पाठ पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन उनकी नीतियां उसी एकता को तोड़ने का काम कर रही हैं। यह तमिलनाडु के लोगों के साथ अन्याय है। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु इस भाषाई उपनिवेशवाद को कभी स्वीकार नहीं करेगा। स्टालिन ने दावा किया कि तमिलनाडु की इस लड़ाई को देश भर से समर्थन मिल रहा है।

इंदौर में क्रिकेट का रोमांच, महिला वर्ल्डकप के होंगे मैच

आईपीएल की तर्ज पर मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग के भी मुकाबले

इंदौर (एजेंसी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नामेंट के मैच भले इंदौर को न मिले हों लेकिन क्रिकेट प्रेमियों की निराशा विमेंस वर्ल्ड कप मैच के मिलने से दूर हो जाएगी। दरअसल, 29 सितंबर से आईसीसी विमेंस वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। इस बार मेजबानी भारत कर रहा है। इस नाते इंदौर में भी मैच खेले जाएंगे।

इंदौर के अलावा रायपुर, विशाखापट्?टनम, मोहाली और तिरुवनंतपुरम में भी मैच होंगे। हालांकि, ये अभी तय नहीं है कि इंदौर में कितने मैच होंगे और कौन-कौन से देशों की टीमें यहां भिड़ेंगी। इसका शेड्यूल अभी तय होना बाकी है।

मध्यप्रदेश को 2018 के बाद लगातार 7वें साल आईपीएल का एक भी मैच नहीं मिला है। इससे यहां के फैंस मायूस नजर आ रहे हैं। 14 जनवरी 2024 को इंदौर में आखिरी इंटरनेशनल टी-20 मैच खेला गया था।

यह मैच होलकर स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच था। इसके बाद यह माना जा रहा था कि 2025 के शेड्यूल में इंदौर को एक मैच जरूर मिल सकता है। इंदौर के होलकर स्टेडियम में अब तक 9 इंटरनेशनल मैच और इतने ही आईपीएल मैच हो चुके हैं।

भारत 12 साल बाद विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। इससे पहले 2013 में महिलाओं के वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में 8 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान भारत समेत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, 2 जगह के लिए 9 अप्रैल से पाकिस्तान में क्वालिफायर मुकाबले खेले जाने हैं।

इसमें पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, आयरलैंड, थाईलैंड और स्कॉटलैंड की टीमों के नाम हैं। क्वालिफायर टीम के नाम फाइनल होने के बाद ही सभी मैचों के शेड्यूल तय होंगे।

मोहाली, तिरुवनंतपुरम और रायपुर में अब तक विमेंस इंटरनेशनल मैच नहीं हुए हैं। इंदौर के नेहरू स्टेडियम में 2 विमेंस मैच हुए हैं, जिनमें से एक 1997 के वर्ल्ड कप में हुआ था। विशाखापट्टनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम विमेंस इंटरनेशनल मैच की होस्टिंग कर चुका है। यहां 5 वनडे और 6 टी-20 खेले जा चुके हैं।

2024 में एमपीएल के उद्घाटन मैच के पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने नए क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंभ किया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, बीसीसीआई सचिव जय शाह, पूर्व कप्तान कपिल देव मौजूद रहे थे।

2024 में एमपीएल के उद्घाटन मैच के पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने नए क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंभ किया था। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, बीसीसीआई सचिव जय शाह, पूर्व कप्तान कपिल देव मौजूद रहे थे।

आईपीएल की तर्ज पर एमपीएल टी-20 (मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग) 2025 इस बार इंदौर में होगा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने इस साल मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन को इंदौर के होलकर स्टेडियम में आयोजित करने का फैसला किया है।

मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलेंगे

कोलकाता (एजेंसी)।लियोनेल मेसी 14 साल बाद भारत में फ्रेंडली मैच खेलने के लिए अर्जेंटीना टीम के साथ आएंगे। बुधवार को अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन इसकी घोषणा की। इससे पहले मेस्सी ने 2011 में भारत का दौरा किया था, जब अर्जेंटीना ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन मैच खेला था। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमन ने पिछले साल नवंबर में अर्जेंटीना की टीम का केरल का दौरा करने और कोच्चि में दो दोस्ताना मैच खेलने की घोषणा की थी। एचएसबीसी इंडिया बुधवार को भारत में फुटबॉल के सहयोग और प्रचार के लिए अर्जेंटीना की टीम का आधिकारिक साझेदार बन गया। उसने घोषणा की कि मैच अक्टूबर में आयोजित किए जाएंगे। एचएसबीएस इंडिया ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी समेत अर्जेंटीना की राष्टीय फुटबॉल टीम अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्टीय प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत का दौरा करेगी। अर्जेंटीना ने 2022 में 36 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप खिताब जीता था। इससे पहले अर्जेंटीना 1986 में विश्प कप जीता था। कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में अर्जेंटीना ने फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हरा दिया। तय 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थी। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। फाइनल में मेसी ने दो गोल किए। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी। अर्जेंटीना 1978 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना था। अर्जेंटीना ने 26 मार्च को ब्राजील को 4-1 से हरा कर 2026 वर्ल्ड कप कप के लिए क्वालिफाई किया है। इस मैच में लियोनेल मेसी नहीं खेले थे। ब्यूनस आयर्स में खेले गए इस मुकाबले में ब्राजील की टीम बिल्कुल फीकी नजर आई। अर्जेंटीना के लिए जूलियन अल्वारेज, एन्जो फर्नांडिज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और गुलियानो सिमियोने ने गोल किए। ब्राजील की तरफ से इकलौता गोल मैथ्यूस कुन्हा ने किया।

मोईन और वरुण ने किया कमाल

केकेआर से मोईन अली और वरुण चक्रवर्ती ने बेहद किफायती बॉलिंग की, दोनों ने 2-2 विकेट भी लिए।गुवाहाटी का बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में च्चक्र ने बॉलिंग चुनी। राजस्थान ने 9 विकेट खोकर 151 रन बनाए। टीम से ध्रुव जुरेल ने 33 और कप्तान रियान पराग ने 25 रन बनाए। कोलकाता ने 17.3 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

1. प्लेयर ऑफ द मैच

152 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी च्चक्र से क्विंटन डी कॉक ने तेज बैटिंग की। उनके सामने मोईन अली को खेलने में बड़ी परेशानी हो रही थी, लेकिन डी कॉक ने अपने साथी बैटर्स पर दबाव नहीं बढ़ने दिया। उन्होंने बैटिंग के लिए मुश्किल और धीमी पिच पर 8 चौके और 6 छक्के लगाए। डी कॉक ने महज 61 बॉल पर 97 रन बनाए और टीम को 15 गेंद पर पहले जीत दिला दी।

2. जीत के हीरो

वैभव अरोड़ा- नई गेंद से वैभव ने बेहतरीन बॉलिंग की और टीम को पहला विकेट दिलाया। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड किया। फिर आखिर में शुभम दुबे को भी कैच कराया।

मोईन अली-सुनील नरेन की जगह मैच खेलने उतरे मोईन ने बॉलिंग के 4 ओवर में महज 23 रन दिए। उन्होंने नीतीश राणा और यशस्वी जायसवाल के 2 बड़े विकेट भी लिए।

वरुण चक्रवर्ती- केकेआर के मिस्ट्री स्पिनर वरुण ने महज 17 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने राजस्थान के कप्तान रियान पराग और वनिंदु हसरंगा को पवेलियन भेजा।

3. फाइटर ऑफ द मैच

राजस्थान से कप्तान रियान पराग ही फाइट दिखाते नजर आए। उन्होंने धीमी पिच पर 3 छक्के लगाए और महज 15 गेंद पर 25 रन बनाए। फिर गेंदबाजी के 4 ओवर में 25 रन ही दिए। हालांकि, उन्हें कोई विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने केकेआर बैटर्स पर दबाव बनाने की पूरी कोशिश की।

सीएसके-आरसीबी आईपीएल 2025

चेन्नई में जीत के 17 साल के इंतजार को खत्म करने उतरेगा आरसीबी

चेन्नई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में जब चेन्नई सुपर किंग्स से भिड़ेगा तो टीम की नजरें यहां जीत के 17 साल के इंतजार को खत्म करने के लिए अपने अनुभवी बल्लेबाजों पर टिकी होंगी। आरसीबी ने चेपक में सुपर किंग्स को सिर्फ एक बार हराया है और वह भी 2008 में टूर्नामेंट के पहले सत्र में।

आरसीबी की मौजूदा टीम में सिर्फ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ही उस मैच का हिस्सा थे और अब वह दूसरी बार सुपर किंग्स के किले को भेदना चाहेंगे। हालांकि आरसीबी की राह आसान नहीं होगी। हमेशा की तरह चेन्नई की टीम स्पिनरों की मददगार पिच पर अपने घरेलू मैचों में विरोधी टीमों को कड़ी टक्कर देने को तैयार होगी। टीम के पास अनुभवी रविंद्र जडेजा हैं जो लंबे समय से टीम का हिस्सा हैं जबकि पिछले साल खिलाड़ियों की नीलामी के जरिए उन्होंने अपने 'पुराने खिलाड़ी' रविचंद्रन अश्विन को टीम के साथ जोड़ा है।

चेन्नई की टीम ने अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में शामिल किया है और इस तिकड़ी ने कुछ दिन पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। मुंबई के खिलाफ तीनों ने मिलकर 11 ओवर फेंके और 70 रन देकर पांच विकेट लिए। इस मैच में भी चेन्नई की पारंपरिक पिच देखने को मिलेगी और कोहली की अगुआई में आरसीबी के बल्लेबाजों को अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण को मात देने के लिए अपने खेल को बेहतर करना होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजी क्रम को सुपर किंग्स के तीन आयामी स्पिन आक्रमण के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने की जगह अधिक चतुर होना होगा और कोहली को उनका नेतृत्व करना होगा। स्पिन का सामना करना हमेशा से कोहली की बल्लेबाजी का मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है। इस बदलाव का मुख्य कारण स्पिनरों के खिलाफ अधिक स्वीप और स्लॉग स्वीप खेलने की उनकी इच्छा है।

टीमें

चेन्नई सुपर किंग्स – रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवॉन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्धार्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू – रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

समय – शाम 7.30 बजे।

न्यूजीलैंड को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले लगा झटका, टॉम लाथम बाहर

वेलिंग्टन (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है टीम के कप्तान टॉम लाथम चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गए है। लाथम को इस सप्ताह दाहिने हाथ में चोट लगी थी। प्रशिक्षण के दौरान लैथम के हाथ में फ्रैक्चर हुआ था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट में गंभीर चोट की पुष्टि हुई है। लाथम की गैरमौजूदगी में माइकल ब्रेसवेल टीम की कमान संभालेंगे जबकि हेनरी निकोल्स को टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'सीरीज की पूर्व संध्या पर कप्तान टॉम लेथम का चोटिल होना निश्चित रूप से निराशाजनक है और हम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले माइकल के साथ टीम सुरक्षित हाथों में है।

उन्होंने कहा, 'हमें इस दौरे में लचीलापन रूख रखना होगा क्योंकि कई खिलाड़ी अलग-अलग कारणों से उपलब्ध नहीं थे। इससे अन्य खिलाड़ियों को अवसर मिले और पहली बार रीस मारियू को टीम में शामिल करना अच्छा लगा, साथ ही हेनरी का स्वागत भी हुआ। तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने के बाद से हेनरी अच्छी फॉर्म में हैं और उनके आने से टीम में बहुमूल्य कौशल और अनुभव जुड़ेगा। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड पाकिस्तान के साथ होने वाले एकदिवसीय सीरीज की मेजवानी कर रहा है।

आरसीबी के लिए चेपक में खेलना बड़ी चुनौती

टीम संयोजन में बदलाव की जरूरत : पूर्व ऑलराउंडर वाटसन

चेन्नई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) को शुक्रवार को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ अपने दूसरे आईपीएल मैच में चेपक की पिच की जरूरत के अनुसार अपने टीम संयोजन में बदलाव करना होगा। आरसीबी ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर शानदार जीत दर्ज की लेकिन वाटसन का मानना ??है कि चेन्नई के खिलाफ उन्हें बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

वाटसन ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'आरसीबी के लिए चेपक में खेलना एक बड़ी चुनौती होगी, विशेषकर सुपरकिंग्स के पास मौजूद बेहतरीन गेंदबाजों को देखते हुए। सुपरकिंग्स की ताकत का मुकाबला करने के लिए आरसीबी को अपने टीम संयोजन में बदलाव करने की जरूरत होगी। लेकिन कोई गलती नहीं करें - चेपक एक किला है।

अपने आईपीएल करियर में सुपरकिंग्स और आरसीबी दोनों के लिए खेलने वाले वाटसन ने चेन्नई के पास बेहतरीन स्पिनरों की मौजूदगी को घरेलू मैदान पर उनके दबदबे का मुख्य कारण बताया। वाटसन ने कहा, 'सुपरकिंग्स का पूरा ढांचा चेन्नई में बेहतरीन प्रदर्शन करने के इर्द-गिर्द बना है। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ अपने शुरुआती मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले तीनों स्पिनरों- अश्विन, जडेजा और नूर अहमद, को ही देखें। वे उस सतह पर वाकई बहुत उपयोगी साबित होंगे।

ऐसे व्यक्ति के साथ गेंदबाजी करने का आदी हूं जो मेरे से बेहतर है: मोईन अली

गुवाहाटी (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान सुनील नारायण की जगह सफलतापूर्वक लेने वाले मोईन अली ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति के साथ गेंदबाजी करने के आदी हैं जो उनसे बेहतर है। मोईन ने बुधवार को भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के साथ मिलकर बीच के ओवरों में रॉयल्स के गेंदबाजों पर शिकंजा कसा और विरोधी टीम को नौ विकेट पर 151 रन पर रोक दिया।

मोईन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरा काम रन गति पर लगाम कसना है जिससे कि वह दबाव बना सके और विकेट ले सके। मैं ऐसे व्यक्ति के साथ गेंदबाजी करने का आदी हूं जो मेरे से बेहतर है और जिसमें मेरे से अधिक विविधता है। मेरा काम जितना हो सके उतनी कसी हुई गेंदबाजी करना है और उम्मीद है कि इससे दबाव बनेगा और वह व्यक्ति विकेट ले सकेगा। जैसा कि हम जानते हैं कि वरुण बेहतरीन गेंदबाजी कर रहा हैं और वह एक शानदार गेंदबाज है। पिछले दो-तीन वर्षों में उसमें बहुत सुधार हुआ है। ऐसे गेंदबाज के साथ गेंदबाजी करना अद्भुत है।

ये तो अन्याय है...! क्विंटन डि कॉक को मिल गया प्लेयर ऑफ द मैच

गुवाहाटी (एजेंसी)। क्रिकेट को बल्लेबाजों का खेल कहा जाता है। नियम से लेकर परिस्थिति ऐसी होती है कि बल्लेबाजों को फायदा मिले। आईपीएल के पिछले कुछ सीजन से बड़े स्कोर दिखने को मिल रहे हैं। लीग के 10 सबसे बड़े स्कोर में से 9 तो पिछले सीजन से लेकर अब तक बन चुके हैं। प्लेयर ऑफ द मैच देने में भी बल्लेबाजों की अहमियत मिलती है। ऐसा ही कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के मैच में भी हुआ।

क्विंटन डिकॉक प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए

गुवाहाटी के बारसापारा स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में केकेआर ने आरआरे को 8 विकेट से हराया। पहले खेलते हुए राजस्थान की टीम सिर्फ 151 रन बना सकी। जवाब में केकेआर ने 18वें ओवर में रनचेज कर लिया। सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 97 रनों की पारी खेली। 61 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 8 चौके और 6 छक्के मारे। इस पारी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

राजस्थान को रोकने वाले गेंदबाजों का क्या?

कोलकाता को मिली इस जीत में गेंदबाजों का योगदान सबसे ज्यादा था। उनकी वजह से ही राजस्थान की टीम 151 रन पर रुक पाई। यह आसान रनचेज था और उसमें डिकॉक ने 97 रन बनाए। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कप्तान रियान पराग और ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को आउट किया। वह प्लेयर ऑफ द मैच जीतने के सबसे बड़े दावेदार थे। मोईन अली ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर संजू सैमसन और नीतीश राणा के बड़े विकेट लिए। इन दोनों की वजह से ही केकेआर को छोटा टारेगट मिले। केकेआर के लिए रमनदीप सिंह 8वें नंबर पर बैटिंग करते हैं।

आईपीएल में गेंदबाजों की बर्बादी देख अश्विन का छलका, बोले- पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अनुभवी खिलाड़ी आर अश्विन ने टी20 फॉर्मेट में गेंदबाजों के सामने आने वाली मुश्किलों पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को बहुत फायदा मिल रहा है। टूर्नामेंट के पहले हफ्ते में 200 से कम रन के स्कोर बहुत कम देखने को मिले हैं। अश्विन ने सुझाव दिया कि गेंदबाजों पर लगातार रन रोकने का जो दबाव है, उसके कारण उन्हें मानसिक स्वास्थ्य की मदद की जरूरत पड़ सकती है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कुछ आईपीएल पिचों पर गेंदबाजों के लिए सफल होना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि पारंपरिक गेंदबाजी की तुलना में फुल टॉस गेंद फेंकना ज्यादा अच्छा तरीका हो सकता है।

पहले हफ्ते के मैचों में ज्यादातर मुकाबले हाई-स्कोरिंग रहे। सिर्फ दो मैचों में 200 से कम रन बने। यहां तक कि कम स्कोर वाले मैचों में भी, एक टीम ने आसानी से लक्ष्य का पीछा कर लिया। कई अन्य मैचों में टीमों ने 200 से ज्यादा रन बनाए। कुछ टीमों ने बड़े स्कोर का पीछा किया और कुछ ने ज्यादा रन बनाकर भी मुश्किल से जीत हासिल की। 2024 आईपीएल सीजन में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू होने के बाद, टीमों को एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति मिली। इससे औसत मैच स्कोर बढ़कर 189 रन हो गया। विश्लेषक प्रसन्ना अगोरम की टिप्पणी पर कि गेंदबाज ज्यादा सतर्क हो रहे हैं, अश्विन ने अपनी राय दी। अश्विन ने कहा कि गेंदबाजों को जल्द ही पर्सनल साइकोलॉजिस्ट की जरूरत होगी। उन्होंने मजाक में कहा कि कुछ पिचों पर गेंदबाजी करना नामुमकिन हो गया है।

अनुभवी ऑफ-स्पिनर आर अश्विन 9.75 करोड़ रुपये में चेन्नई सुपर किंग्स (छ्स्क्) में वापस आ गए हैं ।

सांसद के निरंतर प्रयासों से पन्ना से मड़ला एलिवेटिड रोड का सपना जल्द होगा साकार

सड़क निर्माण कार्य को वार्षिक योजना 2025-26 में शामिल किया जाएगा

पन्ना। खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा ने मंगलवार को केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से पन्ना-मड़ला 21 किलोमीटर एलिवेटेड रोड निर्माण के संबंध में पुन: भेंट की। इस संबंध में सांसद द्वारा गत 24 जुलाई को केन्द्रीय मंत्री को पत्र के माध्यम से एलिवेटेड रोड निर्माण के बारे में अवगत कराया गया था। यह रोड एनएच 39 बमीठा-सतना खंड का हिस्सा है और इसके डीपीआर का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में वन विभाग के परामर्श से सरेखण कार्य निश्चित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस कार्य को वार्षिक योजना 2025-26 में भी शामिल करने की प्रक्रिया जारी है। अब पन्ना से मड़ला एलिवेटिड रोड का सपना जल्द ही साकार होने वाला है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में यह दूसरा एलिवेटिड रोड बनने जा रहा है, जो क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। इस मार्ग के बन जाने से पन्ना-टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणियों का स्वछंद विचरण भी होता रहेगा तथा राष्ट्रीय

राजमार्ग पर निर्बाध आवागमन भी होगा। वर्तमान में पन्ना से मड़ला रोड की मड़ला घाटी में अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है तथा पन्ना टाईगर रिजर्व का कोर एरिया होने के कारण वन्य प्राणियों के स्वछंद विचरण में भी बाधा उत्पन्न होती थी। इसके अतिरिक्त दो पहिया वाहनों में यात्रा करने वाले लोगों को वन्य प्राणियों से खतरा भी बना रहता है। केन्द्रीय परिवहन मंत्री के द्वारा प्रदत्त इस महत्वाकांक्षी सौगात के लिए सांसद वी.डी. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का समस्त क्षेत्रवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

सांसद श्री शर्मा ने क्षेत्र की अन्य महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए भी केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया है, जिसके तहत कालिंजर-अजयगढ-पन्ना-अमानगंज-सिमरिया-हटा एवं दमोह-जबेरा-जबलपुर 279 कि.मी. राजकीय राजमार्ग क्र. 55 को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल करने की मांग की गई है। मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 15 सितम्बर 2017 के द्वारा इस राज्य राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में शामिल किए जाने की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग के रूप में उन्नयन होकर निर्मित हो जाने से अमानगंज स्थित जे.के. सीमेन्ट प्लांट के बड़े वाहनों का निर्बाध आवागमन भी हो सकेगा। इसके अलावा जबलपुर महानगर से व्हाया दमोह, हटा, पन्ना होते हुये सीधे उत्तर प्रदेश के बड़े नगरों से सीधा संपर्क हो सकेगा। सांसद ने पन्ना जिले की कुछ महात्पवूर्ण सड़कों को केन्द्रीय सड़क निधि से स्वीकृत करने का अनुरोध किया है। इनमें एन.एच. 39 देवेन्द्रनगर से एन.एच. 943 सलेहा तक 23 कि.मी. रोड, एन.एच. 943 सलेहा से चौमुखनाथ भितरी मुटमुरू होते हुये सिद्धनाथ तक 15 कि.मी. रोड, अमानगंज-गुनौर-सुवंशा (कटन)-गिरवारा-सिमरी मार्ग एन.एच. 94 तक 57 कि.मी. रोड तथा बिसानी-श्यामगिरी-कल्दा-सलेहा व्हाया मेन्हा मार्ग 75 कि.मी. शामिल है। केन्द्रीय सड़क निधि के माध्यम से सड़क के विकास से प्रमुख पर्यटक एवं धार्मिक आस्था के स्थलों को चौड़े मार्ग के जरिए राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ा जाएगा।

दो दिवसीय सेवोत्तम प्रशिक्षण में शामिल होने के निर्देश

पन्ना। संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन पन्ना के कक्ष क्रमांक 37 में स्थापित ई-दक्ष केन्द्र में 27 एवं 28 मार्च को सुबह 11 बजे से विभागीय अधिकारियों का दो दिवसीय सेवोत्तम प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग दिल्ली के सहयोग तथा आरसीवीपी नरोन्हा अकादमी भोपाल द्वारा स्थापित सेवोत्तम प्रकोष्ठ अंतर्गत नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से जिले के विभागवार चयनित एल-1 एवं एल-2 अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। दो दिवसीय प्रशिक्षण में म.प्र. लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम 2010, सीएम हेल्पलाइन, सीपी ग्राम और शिकायत निवारण प्रणाली में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग विषय पर प्रशिक्षण होगा। जिला कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है। प्रशिक्षण में पशुपालन एवं डेयरी, सहकारिता, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, वित्त, मत्स्य, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, वन, उद्यानिकी, खनिज, लोक निर्माण, अनुसूचित जाति विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय विकास एवं आवास, जल संसाधन तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के 30 अधिकारी शामिल होंगे।

कलेक्टर ने ओलम्पियाड प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों सहित शिक्षक एवं अभिभावकों का किया सम्मान

पन्ना

राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार गत मंगलवार को जिला शिक्षा केन्द्र पन्ना द्वारा ओलम्पियाड परीक्षा 2024-25 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर चयनित विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुरेश कुमार ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विषयवार एवं कक्षावार प्रथम स्थान पर चयनित कक्षा 2 से 8वीं के 32 विद्यार्थियों का सम्मान कर उत्साहवर्धन किया। छात्र-छात्राओं के अभिभावक एवं शिक्षकों का भी

सम्मान किया गया। प्रतियोगिता कक्षा 2 एवं 3 के लिए हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित, कक्षा 4 एवं 5 के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, गणित एवं पर्यावरण तथा कक्षा 6 से 8 के लिए हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, विज्ञान, गणित और सामाजिक विज्ञान विषयों में आयोजित की गई थी। जला कलेक्टर ने छात्र-छात्राओं एवं अभिभावक व शिक्षकों का गुलदस्ता एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक ट्रैक सूट, कैप, बैग, पानी की बॉटल, टिफिन, जोमेट्री बॉक्स, प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र वितरण कर बधाई दी। छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सदैव बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया तथा उज्जवल भविष्य की कामना की। जिला परियोजना समन्वयक अजय कुमार गुप्ता द्वारा भी चयनित छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को बधाई दी गई। साथ ही भविष्य में और अधिक परिश्रम के लिए भी प्रोत्साहित किया गया।

महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल दादी जानकी

पन्ना। ब्रह्मा कुमारीज विद्यालय में राजयोगिनी दादी जी की पांचवी पुण्य स्मृति दिवस पर सभी भाई बहनों ने दादी जी के बताए हुए रास्ते पर चलने की प्रतिज्ञा कर सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की, वैश्विक आध्यात्मिक जागृति दिवस के रूप में मनाया गया दादी जी का पुण्य स्मृति दिवस बहन जी ने दादी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनकी विशेषताएं बताते हुए कहा कि बचपन से ही दादी जी को इस बात की चिंता बनी रहती थी कि वह किस प्रकार दूसरों के जीवन को सुखी बना सके, 1916 में हैदराबाद सिंध प्रांत में दादी जी का जन्म हुआ 21 वर्ष ने की आयु में संस्था से जुड़ी,1970 में पहली बार विदेश सेवाओं पर निकली, 2007 में ब्रह्माकुमारी की मुख्य प्रशासिका बनी, अनेको देशो में अकेले पहुंचकर राजयोग(ध्यान) का संदेश दिया, 12 घंटे रोजाना समाज कल्याण में सक्रिय रही द्य वर्ष 1970 में दादी जानकी जी पहली बार विदेशी जमीन पर मानवीय मूल्यों का बीज बोने निकली,दादी जी भले ही कम पढ़ी लिखी थी परंतु उनके स्नेह, अपनापन और मूल्यों की भाषा में विदेशी जमीन पर भारतीय संस्कृति को स्थापित कर दिया धीरे-धीरे यह कारवां बढ़ता रहा आज विश्व भर में लाखों लोग भारतीय अध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन को दिनचर्या में शामिल कर जीवन को नई दिशा दे रहे हैं मानवता के कल्याण के लिए सेवारत् दादी जी ने सारे विश्व का चक्कर लगाया, दादी जी ने अपने तपस्वी जीवन से हर एक के लिए प्रेरणा बनी रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 मार्च को सिंगल क्लिक से श्रमिक परिवारों को करेंगे राशि का अंतरण

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 मार्च को भोपाल के मंत्रालय से संबल योजना में अनुग्रह सहायता के प्रकरणों में सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित करेंगे। इससे पन्ना जिले के हितग्राही भी लाभांवित होंगे। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। योजना में अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं।

चना, मसूर एवं सरसों के उपार्जन केन्द्र निर्धारित

पन्ना। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों का उपार्जन 25 मार्च से प्रारंभ हो गया है। जिले में 31 मई तक उपार्जन कार्य संचालित होगा। इसके लिए पन्ना जिले में समितियों के कुल 15 उपार्जन केन्द्रों का तहसीलवार निर्धारण किया गया है। अजयगढ़ तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. शानगुरैया का उपार्जन केन्द्र म.प्र. वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन अजयगढ़ 12 एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. अजयगढ़ का उपार्जन केन्द्र मण्डी अजयगढ़ को बनाया गया है। इसी तरह पन्ना तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. जरधोबा का उपार्जन केन्द्र विवेक श्रीवास्तव लक्ष्मीपुर, देवेन्द्रनगर तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. जिगदहा का उपार्जन केन्द्र आयादी विल्डिकांम सिलगी, गुनौर तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. छपरवारा का उपार्जन केन्द्र बागरी वेयर हाउस डिघौरा, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कचनारा का उपार्जन केन्द्र पैक्स गोदाम सुंगरहा एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. गौरा का उपार्जन केन्द्र पाठक वेयर हाउस गुनौर निर्धारित किया गया है। अमानगंज तहसील अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. अमानगंज का उपार्जन केन्द्र आलोक वेयर हाउस अमानगंज, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. जसवंतपुरा का उपार्जन केन्द्र कृष्णा वेयर हाउस अमानगंज 43, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. महेवा का उपार्जन केन्द्र माया गौतम वेयर हाउस महेवा एवं प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. पगरा का उपार्जन केन्द्र रावत वेयर हाउस अमानगंज 20, पवई तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. पवई का उपार्जन केन्द्र म.प्र. वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन पवई 07, सिमरिया तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. कुंवरपुर का उपार्जन केन्द्र शिव वेयर हाउस दनवारा 35, शाहनगर तहसील में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. बिसानी का उपार्जन केन्द्र पैक्स गोदाम प्रांगण शाहनगर तथा रैपुरा तहसील में म.प्र. प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्या. मलघन का उपार्जन केन्द्र पैक्स गोदाम रैपुरा निर्धारित किया गया है।

धान उपार्जन से संबंधित शिकायतों की जांच के लिये जांच दल गठित करने के निर्देश

पन्ना

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन तथा अंतर जिला व जिले में उपार्जन केन्द्रों से दी गई धान के सत्यापन एवं अन्य शिकायतों की जांच के लिये जांच दल गठित कर सात दिवस के अंदर विस्तृत जांच की कार्यवाही संपादित करने के निर्देश जिला कलेक्टर्स को दिये गये हैं।

जांच दल के अध्यक्ष कलेक्टर द्वारा नामांकित अपर/ संयुक्त/ डिप्टी कलेक्टर होंगे। जिला आपूर्ति नियंत्रक/ खाद्य अधिकारी संयोजक होंगे। उप/सहायक आयुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक, जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन और जिला प्रबंधक मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन सदस्य होंगे। जांच दल द्वारा उपार्जित धान, धान परिवहन, धान जमा, धान कमी की मात्रा, मिलर्स को भुगतान की स्थिति, मिलरवार धान प्रदाय की मात्रा, धान उठाव की मात्रा और मिलरवार सीएमआर जमा मात्रा की विस्तृत जांच की जाएगी।

इस संबंध में जारी निर्देशों में कहा गया है कि गोदामों में धान कम मात्रा में जमा होने के कारणों की जांच कराई जाये एवं संबंधित उपार्जन समिति व परिवहनकर्ता आदि से शार्टेज मात्रा की वसूली कर संबंधित किसानों को भुगतान किया जाए। उपार्जन केन्द्रों पर धान मिलर्स द्वारा उपयोग किये गये वाहन, परिवहन दिनांक एवं मात्रा की जानकारी सीएसएमएस पोर्टल पर उपलब्ध है। इससे धान परिवहन करने वाले वाहनों का विवरण प्राप्त किया जाये। उपार्जन केन्द्र से उठाई गई धान, परिवहन में उपयोग किये गये वाहनों की ट्रेकिंग एवं डाटा जिले से एवं टोल नाकों से प्राप्त करें। जिला परिवहन अधिकारी के माध्यम से धान परिवहन में उपयोग किये गये वाहनों की श्रेणी, प्रकार और लोडिंग क्षमता की जानकारी प्राप्त करें। इन बिन्दुओं पर जांच कर अनियमितता पाये जाने पर नियमानुसार तत्काल संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही जांच के दौरान जिला प्रबंधक सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन द्वारा मिलर्स को धान के नए डिलेवरी ऑर्डर जारी नहीं किये जाएंगे। जांच के बाद जो मिलर्स सही पाये जाएंगे, उन्हें ऑर्डर दिये जायेंगे।

रेत मण्डी के लिए अजयगढ़ बायपास पर स्थल निर्धारित

शहर के मुख्य मार्गों पर रेत वाहनों के आवागमन पर रहेगा प्रतिबंध

पन्ना। कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशन में नगर पालिका परिषद पन्ना द्वारा शहर के बाहर अजयगढ़ बायपास पर रेत मण्डी के लिए स्थल निर्धारित किया गया है। गत माह जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में शहर के भीतर एवं मुख्य मार्गों पर लापरवाहीपूर्वक वाहन संचालन एवं सड़क दुर्घटना पर रोकथाम के मद्देनजर उक्त निर्णय लिया गया था और इस संबंध में अविलंब आवश्यक कार्यवाही के लिए सीएमओ, यातायात प्रभारी एवं

तहसीलदार को निर्देश जारी किए गए थे। इस क्रम में अब मुख्य डाकघर के निकट स्थापित रेत मण्डी में समतलीकरण का कार्य कराया गया। नपा द्वारा यहां रेत मण्डी नाम का बोर्ड भी लगवाया गया है। जिला कलेक्टर ने बताया कि नागरिक रेत क्रय के लिए नवीन रेत मण्डी में पहुंचकर सुगमतापूर्वक तरीके से रेत खरीद कर सकते हैं। शहर के विभिन्न प्रवेश स्थल एवं अव्यवस्थित रूप से रेत वाहनों के लापरवाहीपूर्वक शहर के भीतर आवागमन एवं परिवहन पर प्रतिबंध लागू रहेगा। शहर के बीच की लोकेशन अथवा किनारे की लोकेशन में रेत ले जाने के लिए वैकल्पिक व सुविधाजनक मार्गों का उपयोग किया जा सकेगा। रेत मण्डी की व्यवस्थाओं के संबंध में आज सीएमओ, तहसीलदार एवं यातायात प्रभारी की टीम द्वारा निरीक्षण भी किया गया।

जनसुनवाई में हुई 41 आवेदनों पर कार्यवाही

पन्ना। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 41 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र एवं संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम द्वारा जिला मुख्यालय पर पहुंचे आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं। इसके अलावा ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में भी आवेदकों की समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण किया

गया। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देश पर आमजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज जनसुनवाई हुई।

गेहूं पंजीयन केन्द्रों पर होगा तुअर फसल का पंजीयन

पन्ना। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में ई-उपार्जन पोर्टल पर तुअर फसल का पंजीयन कार्य 25 मार्च से प्रारंभ हो गया है। इच्छुक कृषक आगामी 20 अप्रैल तक पंजीयन करवा सकते हैं। इस संबंध में कृषि विभाग द्वारा अवगत कराया गया है कि पन्ना जिले में गेहूं उपार्जन पंजीयन के लिए निर्धारित 46 केन्द्रों पर ही तुअर फसल का पंजीयन भी किया जाएगा।

अवैध शराब परिवहन करने पर जप्त बुलेरो वाहन होगा राजसात

पन्ना। कलेक्टर न्यायालय द्वारा अवैध शराब परिवहन के दौरान जप्त बोलेरो वाहन को म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 47 के तहत राजसात करने का आदेश पारित किया गया है। साथ ही आबकारी अधिकारी एवं थाना प्रभारी अजयगढ़ को विधिक प्रावधान एवं नियमों के तहत राजसात वाहन के निवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 27 मार्च 2023 को मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी अजयगढ़ द्वारा बोलेरो वाहन क्रमांक यूपी 90 वाई 1492 में प्लास्टिक की बोरियों में अवैध शराब का परिवहन करते पाया गया था। इस दौरान 200 एमएल कुल 79 लीटर शराब मिली। शराब की कुल कीमत 36 हजार 500 रूपए पाई गई। इस पर आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट में अपराध क्रमांक 118/2023 पंजीबद्ध कर कार्यवाही की गई। वाहन मालिक को सुनवाई का अवसर प्रदान कर जप्त वाहन को राजसात करने की कार्यवाही के संबंध में कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था।

6 अप्रैल को रामनवमी पर मनाया जाएगा प्राकट्य पर्व

पन्ना। संस्कृति विभाग द्वारा इस वर्ष भी रामनवमी पर एक दिवसीय प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जाएगा। रविवार, 6 अप्रैल को श्री जुगल किशोर मंदिर प्रांगण पन्ना में कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। सागर के करोड़ी प्रजापति एवं साथी कलाकार बुन्देली लोक गायन, भोपाल की वैशाली गुप्ता एवं साथियों द्वारा राम शक्ति की पूजा तथा मुम्बई के संजय शुक्ला एवं साथी कलाकारों द्वारा भक्ति गायन प्रस्तुत किया जाएगा। जिला कलेक्टर द्वारा प्राकट्य पर्व के सफल आयोजन के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अशोक चतुर्वेदी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही कार्यक्रम के क्रियान्वयन और आवश्यक प्रबंध के दृष्टिगत अन्य अधिकारियों को भी आवश्यक दायित्व सौंपे गए हैं।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने ग्राम बिलखुरा में लगाए पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

पन्ना। पन्ना विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलखुरा के निर्माणाधीन नवीन पंचायत भवन एवं अटल सुशासन भवन प्रांगण में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत पौधों का रोपण किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष मीना राजे, उपाध्यक्ष संतोष सिंह यादव सहित जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी द्वारा दस-दस फीट के आम एवं पाम अशोक के पौधे लगाए गए एवं पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया गया।

निर्धारित कार्ययोजना अनुसार पौधरोपण का उद्देश्य यह था कि बिलखुरा में निर्माणाधीन पंचायत भवन के पूर्ण होने तक वृक्ष भी हरे-भरे होंगे और परिसर की सुन्दरता भी बढ़ेगी। इस अवसर पर अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष द्वारा ग्रामवासियों से संवाद कर पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया। जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने निर्माणाधीन पंचायत भवन का निरीक्षण भी किया और ड्राइंग एवं डिजाइन की जानकारी ली। अटल सुशासन भवन निर्माण के लिए 37 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। पन्ना विकासखण्ड अंतर्गत 6 ग्राम पंचायतों सहित जिले में कुल 28 नवीन अटल सुशासन भवन का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार सहित जनपद पंचायत सीईओ आनंद शुक्ला भी उपस्थित रहे।

31 मार्च तक पूर्ण कराएं हितग्राहियों की ई-केवायसी

समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देश

पन्ना। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के सुचारू क्रियान्वयन तथा वास्तविक पात्र हितग्राहियों को उनके खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से समस्त हितग्राहियों की उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से ई-केवायसी संबंधी कार्य बतौर विशेष अभियान गत माह से निरंतर संचालित है। शासन के निर्देशानुसार आगामी 31 मार्च तक सभी हितग्राहियों की ई-केवायसी पूर्ण कराई जाना है।

कलेक्टर सुरेश कुमार के निर्देशानुसार बुधवार को जिला मुख्यालय एवं जिले के सभी अनुविभाग में दुकान आवंटन

अधिकारी द्वारा पीडीएस व्यवस्था से जुड़े विभागीय अधिकारी और उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में निर्धारित समयावधि में दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से शत प्रतिशत ई-केवायसी के निर्देश दिए गए। जिला आपूर्ति अधिकारी देवेन्द्र खोबरिया ने बताया कि जिले में पीडीएस योजना के तहत 8 लाख 52 हजार 825 हितग्राहियो में से 5 लाख 85 हजार 910 हितग्राहियों की ई-केवायसी पूर्ण हो चुकी है। शेष लगभग 30 प्रतिशत हितग्राहियों की ई-केवायसी शेष है। इन हितग्राहियों का ई-केवायसी कार्य जिले में संचालित 431 उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं द्वारा घर-घर जाकर किया जाएगा। साथ ही मोहल्ले व वार्ड में सर्वे कर केवायसी से वंचित हितग्राहियों की पहचान की जाएगी और शेष पांच दिवसों में ई-केवायसी कार्य पूर्ण किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा भी समस्त पात्र हितग्राहियों से अपनी खाद्यान्न पात्रता को यथावत रखने के लिए निकट की उचित मूल्य दुकान पहुंचकर आधार कार्ड और बायोमैट्रिक माध्यम से ई-केवायसी कराने की अपील की गई है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, शुक्रवार 28 मार्च 2025 | 8

उप मुख्यमंत्री ने लक्ष्मणबाग परिक्रमा पथ का भ्रमण किया। उन्होंने लक्ष्मणबाग गौशाला में गौ माताओं को गुड़ खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, समाजसेवी तथा गणमान्य जन उपस्थित रहे।

रीवा को विकसित बनाते हुए पानीदार बनाना है : उप मुख्यमंत्री

जल संचय, जन भागीदारी, जन आन्दोलन अभियान में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा को विकसित बनाते हुए पानीदार बनाना है। वर्षा के जल को संरक्षित करने तथा प्राचीन जल स्त्रोतों में सुधार कार्य कर जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं ताकि आने वाले समय में पानी की कमी न हो। श्री शुक्ल ने ग्राम पंचायत सगरा में केन्द्रीय जल शक्ति विभाग के सहयोग से बोर के माध्यम से संग्रहित होने वाले भूजल को जमीन के भीतर संचयित किये जाने के कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम पंचायत सगरा में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के जल शक्ति विभाग के सहयोग से रीवा जिले में 100 बोरवेल के माध्यम से संग्रहित होने वाले जल को जमीन के अंदर संचयित किये जाने का कार्य प्रारंभ हो रहा है। इसके

अतिरिक्त जल गंगा अभियान में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य आगामी 3 माह तक नियमित रूप से संचालित होंगे। यह प्रयास है कि वर्षा का जल बर्बाद न हो। जमीन के अंदर इसका संचयन हो तथा जल स्त्रोत भी पानीदार रहे ताकि जिले का भूजल स्तर कम न हो। उन्होंने जल संरक्षण कार्य में आमजनों की सहभागिता की भी अपेक्षा की। श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री जी द्वारा जहां एक ओर हर घर को शुद्ध पानी पहुंचाने का कार्य हो रहा है वहीं दूसरी ओर जल संचयन, संवर्धन का कार्य भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जमीन के अंदर के पानी का दोहन न होकर इसका पोषण हो यह इस योजना का लक्ष्य है। कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि पानी बचाने के सभी उपाय किये जांय। हम जितना पानी जमीन से लें उतना उसे देने का भी प्रयास करें। गुजरात की टीम के जल संचयन कार्य में सहयोग करें और जल संरक्षण कार्य में सहभागी बनें। उन्होंने बताया कि जल गंगा अभियान अन्तर्गत जिले के तालाब निर्माण के साथ ही मनरेगा से पानी बचाने की संरचनाओं को पूर्ण किये जाने के कार्य कराये जायेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने जल संचयन कार्य में गुजरात के दल को प्रशासन के पूर्ण सहयोग की बात कही। इससे पूर्व गुजरात के जल संचयन दल प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि रीवा जिले में 100 बोर कर संग्रहित पानी को चेम्बर बनाकर भूमि के अंदर संचयित किया जायेगा। इस कार्य का शुभारंभ सगरा से किया गया है। कार्यक्रम को प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सरपंच सावित्री राजेश पाल, सीईओ जनपद संजय सिंह, समाजसेवी राजेश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व आसपास की ग्राम पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने किया।

समाधान ऑनलाइन आज शाम 4 बजे से

रीवा। समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम 28 मार्च को शाम 4 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगे। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों, डूबने की दुर्घटनाओं के प्रबंध, कानून व्यवस्थाओं की स्थिति तथा राजस्व के विषय पर भी चर्चा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी के साथ कलेक्ट्रेट के एनआईसी केन्द्र में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

सामान्य सभा की बैठक आज दोपहर एक बजे से

रीवा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल की अध्यक्षता में सामान्य सभा की बैठक 28 मार्च को आयोजित की गई है। जिला पंचायत सभाकक्ष में अब बैठक दोपहर एक बजे होगी।

आपसी भाईचारा एवं सद्भाव पूर्वक मनाएं त्यौहार : कलेक्टर

जिला स्तरीय शांति समित की बैठक संपन्न

रीवा। आगामी नवरात्रि, ईदुल फित्र त्योहार को शांतिपूर्वक मनाने के उद्देश्य से मऊगंज कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर संजय कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने लोगों से त्योहारों को शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि आपस में मिलजुल कर सद्भाव पूर्वक त्योहार मनाए। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी ने कहा अफवाहों से बचें और कानून का पालन करें। बैठक में जिले के धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों गणमान्य नागरिकों ने समस्याओं के बारे में जानकारी देते हुए सुझाव भी दिये। त्योहारों को ध्यान में रखते हुए साफ-सफाई के संबंध बेहतर व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये गये। पर्वों के दौरान धार्मिक स्थलों के आसपास नगर प्रशासन एवं जनपद द्वारा बेहतर सफाई व्यवस्था के साथ बिजली और पानी की आपूर्ति समुचित रूप से सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। रमजान के दौरान रातों में मस्जिद में आने-जाने में सुविधा हो इसके लिये विशेष व्यवस्था की अपेक्षा की गई।

मुख्यमंत्री आज सिंगल क्लिक से करेंगे अनुग्रह राशि का वितरण

मुख्यमंत्री 23162 मजदूरों को 505 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि करेंगे वितरित

रीवा। श्रम विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के हितग्राहियों को 28 मार्च को अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य स्तरीय समारोह से सिंगल क्लिक के माध्यम से हितग्राहियों के बैंक खाते में अनुग्रह राशि अंतरित करेंगे। प्रदेश भर के 23162 मजदूर परिवारों को 505 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि वितरित की जाएगी। कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से एनआईसी केन्द्र रीवा और मऊगंज में आरंभ होगा। इस संबंध में जिला श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि सिंगल क्लिक के माध्यम से रीवा जिले के 485 हितग्राहियों एवं मऊगंज जिले के 194 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी मऊगंज जिले के दो हितग्राहियों से संवाद भी करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिला और विकासखण्ड स्तर पर सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। जिला श्रम पदाधिकारी ने बताया कि संबल योजना के तहत पंजीकृत असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की मृत्यु होने पर उनके परिजनों को अंत्येष्टि सहायता के रूप में पाँच हजार रुपए दिए जाते हैं। मजदूर की सामान्य मृत्यु पर उनके परिजनों को दो लाख रुपए तथा दुर्घटना में मौत होने पर परिजनों को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

जिले भर में 30 मार्च को मनाया जाएगा विक्रम संवत नववर्ष

रीवा। विक्रम संवत 2082 का प्रथम दिन चैत्र प्रतिपदा नववर्ष उत्सव 30 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन मुख्य आयोजन पचमठा में सुबह 11 बजे से आरंभ होगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि समारोह में सबसे पहले ब्राह्मध्वज वंदन किया जाएगा। इसके बाद विक्रम संवत शुरू होने के इतिहास के संबंध में जानकारी दी जाएगी। समारोह में मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के दल द्वारा सम्राट विक्रमादित्य नाटिका का मंचन किया जाएगा। इसके बाद समारोह के मुख्य अतिथि का उद्बोधन होगा। नववर्ष के प्रथम दिन प्रमुख मंदिरों एवं शासकीय भवनों में ब्राह्मध्वज स्थापित किए जाएंगे। कलेक्टर ने आमजनता से विक्रम नववर्ष समारोह में भागीदारी का अनुरोध किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं : कलेक्टर

जल गंगा संवर्धन अभियान में 1472 खेत तालाबों का होगा निर्माण : सीईओ

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि 30 मार्च से 30 जून तक जिले भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाएगा। सभी संबंधित विभाग दो दिवस में अभियान की कार्ययोजना बनाकर जल संरक्षण के कार्य प्राथमिकता से कराएं। पानी जीवन का आधार है। पानी का विवेकपूर्वक उपयोग और वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामाजिक संगठनों को भी सहभागी बनाएं। जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने अनुभाग में अभियान का नेतृत्व करेंगे। मुख्यमंत्री

जी के प्राथमिकता के इस अभियान की तैयारी के लिए क्लस्टर लेबल पर बैठक आयोजित कर प्रत्येक गांव के लिए जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार कराएं। प्रत्येक ग्राम पंचायत में जल संरक्षण का कम से कम एक कार्य अनिवार्य रूप से कराएं। सभी नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में 30 मार्च को समारोह पूर्वक अभियान का शुभारंभ करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अमृत सरोवर, खेत तालाब निर्माण, हैण्डपंपों में सोकपिट बनाने तथा पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य अभियान के दौरान कराएं। अभियान की प्रत्येक गतिविधि का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। जल संरक्षण कार्यों, श्रमदान, जल संवाद तथा जन जागरूकता के कार्यक्रमों के अच्छे फोटोग्राफ्स और वीडियो जनसम्पर्क विभाग को उपलब्ध कराएं। साथ ही अभियान की वेबसाइट में अपलोड करें।

कलेक्टर ने कहा कि कार्यपालन यंत्री पीएचई अभियान के दौरान नलजल योजनाओं की पाइपलाइन में सुधार तथा सभी हैण्डपंपों में सोकपिट बनाने का कार्य ग्रामीण विकास विभाग एवं नगरीय निकायों के सहयोग से कराएं। कार्यपालन यंत्री जल संसाधन सभी नहरों को खसरे में दर्ज कराएं। नहरों की साफ-सफाई तथा सुधार के कार्य भी अभियान के दौरान करें। जिला शिक्षा अधिकारी नया शिक्षा सत्र प्रारंभ होने पर स्कूलों में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता के लिए निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित कराएं। साथ ही पानी की टंकियों की साफ-सफाई भी कराएं। क्षेत्रीय संचालक औद्योगिक विकास निगम चोरहटा औद्योगिक केन्द्र में औद्योगिक इकाईयों से निकलने वाले पानी का ट्रीटमेंट कराकर उसे शुद्ध करने के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित कराएं।

भ्रूण लिंग जांच की सूचना देने वाले को मिलेंगे दो लाख रुपए

रीवा। गर्भस्थ शिशु के लिंग निर्धारण परीक्षण पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। शिशु का लिंग निर्धारण परीक्षण करना दण्डनीय अपराध है। भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वाले को दो लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि मुखबिर पुरस्कार योजना के तहत दी जाएगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि भ्रूण लिंग जाँच की सूचना देने वालों का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। उसकी सूचना के आधार पर प्रकरण दर्ज होकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत होते ही एक लाख 25 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। इसमें 50 हजार रुपए की राशि सूचना देने वाले को, 25 हजार रुपए की राशि पीसी एण्ड पीएनडीटी एक्ट के जिला नोडल अधिकारी को तथा 50 हजार रुपए की राशि अभियोजन अधिकारी को दी जाएगी। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर 75 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसमें सूचना देने वाले को 30 हजार रुपए, नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए तथा अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मुखबिर प्रोत्साहन योजना के तहत स्टिंग ऑपरेशन करने पर स्टिंग के सफल होने तथा सत्यापन के बाद मुखबिर को 50 हजार रुपए, सहयोगी महिला को 20 हजार रुपए तथा अन्य सहयोगी को 10 हजार रुपए दिए जाएंगे। साथ ही नोडल अधिकारी को 15 हजार रुपए एवं अभियोजन अधिकारी को 30 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर मुखबिर को 30 हजार रुपए, डिकाय महिला को 10 हजार रुपए तथा सहयोगी को 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही जिला नोडल अधिकारी को 10 हजार रुपए एवं अभियोजन अधिकारी को 20 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

विधि महाविद्यालय में हुआ विधिक जागरूकता कार्यक्रम

रीवा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में शासकीय विधि महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विशेष न्यायाधीश पाक्सों श्रीमती कंचन गुप्ता ने पाक्सों अधिनियम, घरेलू हिंसा, भरण पोषण की जानकारी दी।

बिना परमिट रीवा सिरमौर मार्ग पर बस जप्त

रीवा। परिवहन विभाग रीवा ने जांच के दौरान एक बस बिना परमिट जप्त की।यह बस रीवा सिरमौर मार्ग पर संचालित की जा रही थी। आरटीओ रीवा को यह शिकायत प्राप्त हुई थी की,बस क्रमांक एमपी 17 पी 0598 का बिना परमिट ही संचालन किया जा रहा है।जिसे फ़ौरन संज्ञान में लेते हुए आरटीओ रीवा ने परिवहन सुरक्षा स्क्वाड को बस की जाँच हेतु निर्देशित किया।परिवहन सुरक्षा स्क्वाड ने रीवा सिरमौर मार्ग

में जाकर बस को चेक किया बस बिना परमिट पायी गई जिसे जप्त कर परिवहन कार्यालय रीवा में खड़ा कराया गया।जांच में अन्य यात्री बसों भी पर कार्यवाही की गई जिनमे किराया सूची,ओव्हर लोडिंग, फिटनेस,बीमा,प्रदूषण प्रमाण पत्र की विशेष जांच की गई।जांच में 11 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 46900 रुपये का शमन शुल्क वशूल किया गया।

मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये समन्वित प्रयास आवश्यक : शुक्ल

रीवा

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये समन्वित प्रयास आवश्यक है। मातृ मृत्युदर को कम करने में चुनौती के साथ संभावनाएँ हैं। गर्भवती महिला की समय-समय पर जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श देकर एवं उनके परिजनों को जागरूक कर मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय में गायनी विभाग के तत्वाधान में वेसिक्स ऑफ क्रिटिकल केयर इन आब्सटेटरीज विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीयन हो। उसकी समय-समय पर जांच की जाकर चिकित्सकीय परामर्श दिया जाय और यह प्रयास हों कि वह क्रिटिकल अवस्था में पहुंचे ही नहीं। चिकित्सक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ देकर एवं ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ्य कार्यकर्ता व स्टाफ अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए गर्भवती महिला का ध्यान रखें और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने का समन्वित प्रयास करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि हुई है। चिकित्सकों के पदों की पूर्ति की गई है। मेडिकल कालेज खोले गये हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों के स्वास्थ्य केन्द्रों को सुविधायुक्त बनाया जा रहा है ताकि वहां जिला अस्पताल जैसी सभी सुविधाएँ मुहैया रहें। उन्होंने चिकित्सकों व स्वास्थ्य विभाग के अमले को इस चुनौती का सामना करते हुए संकल्प शक्ति के साथ कार्य करने की अपेक्षा की ताकि हमारा प्रदेश मातृ मृत्यु व शिशु मृत्यु दर कम कर पाने में सफल हो सके।

श्री शुक्ल ने कहा कि कार्यशाला में विचार विमर्श व प्राप्त सुझावों का नीचे स्तर तक लाभ मिलेगा और यह कार्यशाला सार्थक सिद्ध होगी। उन्होंने कार्यशाला में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ व बीएमओ की उपस्थिति की बात कही।

उप मुख्यमंत्री आज रीवा और शहडोल में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 28 मार्च को रीवा और शहडोल में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे होटल विजय रतहरा में 16वें राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस का शुभारंभ करेंगे। उप मुख्यमंत्री कार्यक्रम के बाद दोपहर 11 बजे रीवा से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे शहडोल पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री शहडोल में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। उप मुख्यमंत्री 29 मार्च को सुबह 6 बजे शहडोल से प्रस्थान कर सुबह 9 बजे रीवा पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

रीवा से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए चलेगी साप्ताहिक ट्रेन

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा शहर से मुंबई जाने-आने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। 10 अप्रैल से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 12-12 फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा स्टेशन से सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी। स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इसी के साथ चैत्र नवरात्र के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख देवी मंदिरों से गुजरने वाली ट्रेनों को ठहराव

दिया गया है। इसमें पश्चिम मध्य रेलसे गुजरने वाली 15 जोड़ी ट्रेनों का मैहर स्टेशन पर 30 मार्च से 12 अप्रैल तक 5 मिनट का अस्थाई हॉल्ट प्रदान किया गया है।

गाड़ी संख्या 02187 रीवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार 10 अप्रैल और 26 जून 2025 तक रीवा स्टेशन से दोपहर 15:50 बजे प्रारम्भ होकर सतना 16:55 बजे, मैहर 17:25 बजे, कटनी 18:05 बजे, जबलपुर 19:40 बजे, नरसिंहपुर 20:48 बजे, गाडरवारा 21:18 बजे, पिपरिया 21:53 बजे, इटारसी 23:20 बजे और अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:22 बजे पहुँचकर, भुसावल भोर 04:00 बजे होते हुए और शुक्रवार दोपहर 12:20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 02188 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रीवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार 11 अप्रैल एवं 27 जून 2025 तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 13:30 बजे प्रारम्भ होकर भुसावल रात 20:20 बजे पहुंचकर अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:03 बजे, इटारसी 01:15 बजे, पिपरिया 02:13 बजे, गाडरवारा 02:48 बजे, नरसिंहपुर 03:23 बजे, जबलपुर भोर प्रातः 04:55 बजे, कटनी 06:10 बजे, मैहर 07:03 बजे, सतना 07:40 बजे और शनिवार को सुबह 09:45 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833